RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 213 , मंगलवार, 15 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलकर हिंदी को सशक्त बनाने की जरूरत : प्रो. संजय... 03

देवापुर संगम घाट पर अनंत चतुर्दशी मेले की तैयारी पर मंथन 04

बतौर निर्माता डोंट बी शाय को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट 07

घर-घर विराजे विघ्नहर्ता, दर्शन के लिए उमड़े भक्त

- इंदौर में तीन टन मिट्टी से बने बप्पा,14 फीट ऊंची मूर्ति
- हैदराबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा,विकसित भारत है थीम

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में सोमवार से गणेश महोत्सव शुरू हो गया है। इंदौर के तिलक नगर में 3 टन मिट्टी से 14 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा विराजित की गई है। प्रतिमा और पूरे पंडाल को प्रकृति-पशु कल्याण का संदेश देने के रूप में सजाया गया है। हैदराबाद के खैरताबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। वहीं, उप्पुगुडा में विकसित भारत 2047 की थीम पर पंडाल और गणेश प्रतिमा बनाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा का पंडाल और बप्पा की प्रतिमा शिव की थीम पर आधारित है, जिसके केंद्र में एक विशाल त्रिशूल भी सजाया गया है। मंडल के अनुसार यह उसका 93वां गणेशोत्सव है। दर्शनों के लिए श्रद्धालु लंबी लाइन लगाकर खड़े हैं। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव और जन्मोत्सव पर विशेष दर्शन

व्यवस्था की गई है। यहां श्रद्धालु सुबह 5 बजे से रात 11.40 बजे तक दर्शन कर सकेंगे। पटना में इस बार मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल बनाया गया है।

खजराना में 7 करोड़ के आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार

मध्य प्रदेश में गणेश चतुर्थी की धूम है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, बैतूल, सतना, सीहोर, टीकमगढ़ और मंदसौर समेत कई शहरों में गणपति स्थापना के साथ उत्सव शुरू हो गया है। मंदिरों, बाजारों और पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ है। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपए के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया। सवा लाख मोदक का भोग लगाकर प्रसाद वितरण शुरू हुआ। कलेक्टर शिवम वर्मा और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने ध्वज पूजन किया। बड़ा गणपति मंदिर में भी भक्तों की भीड़ उमड़ी।

शाजापुर में हनुमान मंदिर में गणेश जी भी विराजमान

उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में मनोकामना के लिए भगवान की पीठ पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में एक ही शिला पर बनी करीब 8 फीट ऊंची प्रतिमा के दोनों ओर से दर्शन होते हैं। शाजापुर के करीब 300 साल पुराने सिद्धवीर हनुमान मंदिर में हनुमान जी के साथ गणेश जी भी विराजमान हैं। ग्वालियर और टीकमगढ़ में प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ है। ग्वालियर में मिट्टी की प्रतिमाएं 3 से 4 हजार रुपए से शुरू होकर बड़ी प्रतिमाओं के लिए 20 से 25 हजार रुपए तक पहुंच रही हैं।

बाकी कुछ बचा तो ‘महंगाई’ मार गई

अगस्त में 9.92 फीसदी पहुंची,8 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने की चीजें, ईंधन महंगे होने का पड़ा बड़ा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसदी हो गई। जुलाई में यह 9.78 फीसदी थी। खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स महंगे होने की वजह से यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार ने 14 सितंबर को ये आंकड़े जारी किए। महंगाई दर 9.92 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 109.92 का है। आम आदमी की रसोई से जुड़े फूड प्रोडक्ट्स की कीमतों में भी तेजी आई है। थोक मूल्य सूचकांक में फूड इंडेक्स की हिस्सेदारी 24.99 फीसदी होती है। अगस्त 2026 में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई बढ़कर 7.05 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 6.65 थी।

थोक महंगाई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक में मिलती हैं।

अब सुनकर भी समझ सकेंगे सुप्रीम कोर्ट के फैसले

आसान हिंदी में आदेश का ऑडियो-वीडियो जारी होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द ‘जन सूचना सेवा’ शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले

पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे। इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है। जन सूचना सेवा की शुरुआत हिंदी से होगी और बाद में यह सेवा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पंजाब विधानसभा चुनाव में बीजेपी का ‘3 सी’ दांव

क्राइम,करप्शन और चिट्टा के साथ जाति का है मुद्दा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावना को देखते हुए बीजेपी एक ‘बड़े’ चुनावी अभियान की तैयारी कर रही है। पार्टी का अभियान आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद से लेकर अपराध, भ्रष्टाचार, नशे और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। बीजेपी का यह अभियान दिल्ली और पश्चिम बंगाल में हाल के चुनावी अनुभवों से भी प्रभावित होगा। इन राज्यों में पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर के साथ मध्यम वर्ग से जुड़े मुद्दों और कल्याणकारी योजनाओं को चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाया था। हालांकि, पंजाब में बीजेपी जाति के मुद्दे पर भी ज्यादा जोर देने की तैयारी में है।

अभियान के केंद्र में होंगे युवा

पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी अपने पंजाब चुनाव अभियान में युवाओं को खास तवज्जो देने की तैयारी कर रही है। नशे की समस्या, रोजगार के कम अवसर और राज्य में बढ़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दे अभियान में प्रमुखता से उठाए जा सकते हैं। पार्टी राज्य में जबरन वसूली के मामलों में कथित ‘चिंताजनक बढ़ोतरी’ को भी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। इसके साथ ही बीजेपी संत रविदास को लेकर ‘सकारात्मक जनसंपर्क अभियान’ चलाने की योजना बना रही है। संत रविदास की विरासत हाल के दिनों में बीजेपी के राष्ट्रीय स्तर के अभियानों का भी हिस्सा रही है।

संक्षिप्त समाचार

दिशा सालियान की मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की

याचिका पर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करना और मामले को सिर्फ हादसे के रूप में देखना कई सवाल खड़े करता है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी।

वंदे मातरम का पूरा गौरव लौटाने में लग गए 80 वर्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूर्ण गौरव लौटाने में लगभग 80 वर्ष लग गए। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान में इस गीत की स्थायी और अटूट भूमिका को रेखांकित किया। 6वें अखिल भारतीय राजभाषा

सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वंदे मातरम ने देश के स्वाधीनता आंदोलन में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी भूमिका निभाई थी। यह गीत आज भी भारत की सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के संवर्धन को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य भारत की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के प्रति जोड़ना है।

लोक सेवकों की उद्दंडता पर अंकुश बेहद जरूरी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक सेवकों की जवाबदेही को लेकर सवाल उठाए और रामायण की एक चौपाई का अंश को उद्धृत करते हुए अधिकारों पर जरूरत

पड़ने पर अंकुश लगाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि, यदि कोई भी लोक सेवक गलत काम करता है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कई बार व्यक्ति को ताकत मिलने पर वह उच्छृंखल और उद्दंडतापूर्ण व्यवहार करने लगता है। उन्होंने रामचरितमानस की पंक्ति ‘प्रभुता पाई काहि मद नाहीं’ का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में कहीं न कहीं ऐसा अंकुश लगाया जाना जरूरी है, जो मर्यादाओं का पालन करा सके।

ममता के 20 बागी सांसदों में 17 भाजपा में जाएंगे

यूसूफ पठान सहित तीन का बाहर से समर्थन,हार के बाद टीएमसी टूटी थी

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी से अलग हुए टीएमसी के 20 बागी सांसदों में से 17 सांसद अक्टूबर में दुर्गा पूजा से पहले या बाद भाजपा में शामिल होंगे। कूच बिहार सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने रविवार को कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। बसुनिया के अनुसार, दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों के साथ जाने से दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। बंगाल में टीएमसी की हार के बाद 14 जून को बागी सांसदों ने ममता का साथ छोड़ दिया था। इन सांसदों ने त्रिपुरा की स्थानीय पार्टी में विलय किया और एनडीए को समर्थन देने का ऐलान किया।

5 साल बाद कब्र से निकाला गया बीजेपी वर्कर का शव

बंगाल का संदेशखाली फिर चर्चा में,दोबारा होगा पोस्टमार्टम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 2021 में चुनाव बाद हुई हिंसा में कथित तौर पर मारे गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता के कंकाल के अवशेष अदालत के आदेश पर पांच साल बाद कब्र से निकाले गए। अधिकारी के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दिन झनझनिया गांव के निवासी आस्तिक चंद्र दास पर कथित तौर पर विजय जुलूस निकाल रहे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों ने हमला किया था। आस्तिक चंद्र दास के बेटे सुब्रत दास ने आरोप लगाया कि हमले में उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें विशेष उपचार के लिए अस्पताल ले जाने

की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद उनकी घर पर ही मौत हो गई। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें शव को दफनाने के लिए मजबूर किया गया।

फॉरेंसिक जांच को भेजे गए अवशेष

अधिकारियों ने कहा कि रविवार को मजिस्ट्रेट और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में कंकाल के अवशेष कब्र से निकाले गए। नाजाट थाने के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई और मौत के कारण का पता लगाने के लिए अवशेषों को पोस्टमार्टम तथा फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। परिवार ने जरूरत पड़ने पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से विस्तृत जांच कराने और मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह घटना 2021 की है।

सेना की रिपोर्ट, एलएसी पर चीन ने घटाए सैनिक

- पिछले साल 2025 में 12 पाकिस्तानी आतंकी मारे गए
- एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन 2 से बढ़कर 163 हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने 2025-26 की अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने एलएसी पर सैनिकों की संख्या घटाई है। एलएसी और चीन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में अब करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं।

एक ब्रिगेड में करीब 3 हजार सैनिक होते हैं। कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड में पैदल गस्त करने वाली सेना, टैंक, तोपखाना और एयर डिफेंस जैसी अलग-अलग सैन्य क्षमताएं शामिल होती हैं। रिपोर्ट में

कहा गया है कि एलएसी के सभी सेक्टरों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के हालात में भी सुधार बताया गया है। यहां 2025 में पत्थरबाजी की एक भी घटना नहीं हुई।

भारत-चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत और चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई। मार्च और जुलाई में 33वीं और 34वीं बैठक हुई। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत भी दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुई। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन गए और तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसके बाद 25-26 अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख में 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई। सीमा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच बॉर्डर पर्सनल मीटिंग भी चलती रहीं। सेना ने बताया कि इन बैठकों में माहौल शांतिपूर्ण रहा और आपसी विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश की गई।

जम्मू-कश्मीर में हिंसा कम, स्थानीय युवाओं की भर्ती में भी गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति सेना के लगातार प्रयासों से कंट्रोल में रही। हिंसा का स्तर और विरोध-प्रदर्शन कम हुए। सेना ने बताया कि 2025 में सिर्फ एक स्थानीय युवक आतंकी संगठनों में शामिल हुआ। इससे पाकिस्तान के उस दावे को झटका लगा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद स्थानीय स्तर पर पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के लोग सरकार और सेना की विकास योजनाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षाबलों ने 2025 में 2 ए-47 राइफल, 75 पिस्टल और 281.41 किलो नशीला सामान बरामद किया। सेना के मुताबिक, यह सामान ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजा गया था। खासकर पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी पश्चिमी सीमा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पत्रकार तरुण तेजपाल का गोवा कोर्ट में सरेंडर

पणजी (एजेंसी)। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जेल जाते समय तेजपाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें यकीन है कि न्याय

मिलेगा। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में हाईवे पर 32 किलो गांजा मिला, 2 तस्कर गिरफ्तार, पूरे नेटवर्क की जांच

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 32 किलो गांजा बरामद किया है। भगवानपुर थाना पुलिस ने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर NH-22 पर भगवानपुर अड्डा के पास छापेमारी कर गांजे की खेप पकड़ी। मौके से दो गांजा तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई SSP शुभांक मिश्रा की क्राइम मीटिंग के दो दिन बाद हुई। पुलिस को गांजा तस्करी की जानकारी मिली थी। SSP के निर्देश पर भगवानपुर थाना की टीम बनाई गई और मौके की घेराबंदी की गई। इसके बाद पुलिस ने गांजे की खेप के साथ दोनों तस्करों को पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे वैशाली में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की भी जांच कर रही है। सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई है। नशे के कारोबार को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर उनके नेटवर्क की जांच की जा रही है।

सोनपुर रेल मंडल में हिंदी में काम करने का संकल्प, 14-28 सितंबर तक पखवाड़ा

हाजीपुर। सोमवार को सोनपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में हिंदी राजभाषा पखवाड़ा-2026 के तहत राजभाषा संकल्प दिवस मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों ने राजभाषा का संकल्प लिया। सभी ने कार्यालय के कामों में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने और देश की भाषायी एकता को मजबूत बनाए रखने का प्रण लिया। संकल्प के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान के आदर्शों के अनुसार भारत की भाषायी एकता को मजबूत बनाए रखने का वचन दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भाषायी एकता बनाए रखने और जाति, धर्म व प्रांतीयता की भावना से ऊपर उठकर संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं का सम्मान करने का संकल्प लिया। मौजूद रेलकर्मियों ने अपने सभी कार्यालयी काम हिंदी में करने और राजभाषा हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का वचन दिया। संकल्प के बाद सभी ने एक साथ 'जय हिंद' का नारा लगाया। डीआरएम अमित सरन ने कहा कि राजभाषा हिंदी प्रशासन के कामों को आसान, प्रभावी और लोगों के अनुकूल बनाने का मजबूत जरिया है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से कार्यालय के कामों में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए लगातार प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने से प्रशासनिक कामकाज आम लोगों के लिए और आसान होगा। सोनपुर मंडल में राजभाषा हिंदी के इस्तेमाल और प्रचार को बढ़ावा देने के लिए 14 से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 सितंबर को हिंदी टिप्पणी/आलेखन प्रतियोगिता, 16 सितंबर को हिंदी निबंध प्रतियोगिता और 18 सितंबर को अधिकारियों के लिए हिंदी क्विज होगी। 21 सितंबर को वाक्य प्रतियोगिता और 22 सितंबर को कर्मचारियों के लिए हिंदी क्विज आयोजित की जाएगी। 23 सितंबर को गढ़हरा में रामधारी सिंह जयंती समारोह मनाया जाएगा। वहीं, 28 सितंबर को मंडल सभा हॉल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के साथ पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

वैशाली में चेन स्नेचिंग के 2 आरोपी पकड़े गए, ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर पीटा, सिर मुंडवाकर घुमाया

हाजीपुर। वैशाली के रामचंद्र चौक पर रविवार दोपहर चेन स्नेचिंग के दो आरोपियों को ग्रामीणों ने बाइक समेत पकड़ लिया। ग्रामीणों ने एक आरोपी को शीशम के पेड़ से बांधकर पीटा। इसके बाद दोनों का सिर मुंडवा दिया और उन्हें गांव में घुमाया। ग्रामीणों ने बताया कि 4 सितंबर को बाइक सवार दो युवकों ने रामचंद्र चौक के पास रहने वाले अशोक पंडित की पत्नी सरोज देवी से बेलकुंडा जाने का रास्ता पूछा था। मौका मिलते ही दोनों ने महिला के गले से सोने के दो जितिया छीन लिए और बाइक से भाग गए थे। रविवार को सरोज देवी ने उन्हीं दोनों युवकों को पल्सर बाइक से उसी रास्ते से गुजरते देखा। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए और दोनों को बाइक समेत पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने जितिया छीनने की बात कबूल की। उसने बताया कि दोनों जितिया रानी पोखर चौक स्थित एक सोना-चांदी दुकानदार को 5 हजार रुपए में बेचे थे। इसके बाद ग्रामीण दुकानदार के पास पहुंचे। आरोपी से बात कराने के बाद दुकानदार ने जितिया खरीदने की बात मान ली और दोनों जितिया वापस कर दिए। घटना की जानकारी मिलने पर महुआ थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने 112 टीम को मौके पर भेजा। पुलिस दोनों आरोपियों को भीड़ से निकालकर थाने ले गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान विजय कुमार (पिता कपूरचंद्र पासवान, निवासी धर्मपुर वार्ड 12, पंचायत रामपुर रचनाकार उर्फ सरसई) और करण कुमार (पिता अमरनाथ पासवान, निवासी धर्मपुर वार्ड 12) के रूप में हुई है। पुलिस भारी भीड़ के बीच दोनों को सुरक्षित थाने ले गई।

पटना- सोन भवन कैंपस के ट्रांसफॉर्मर में लगी अचानक आग, तीन दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

पटना। सोन भवन कैंपस में सोमवार को अचानक ट्रांसफॉर्मर में आग लगने से अफरातफरी मच गई। ट्रांसफॉर्मर से तेज लपटें उठती देख कैंपस में मौजूद कर्मियों ने तुरंत फायर विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में लोदीपुर फायर स्टेशन से दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। आग की लपटें काफी तेज होने के कारण दमकल कर्मियों को इसे नियंत्रित करने में मशक्कत करनी पड़ी। स्थिति को काबू में करने के लिए छत से भी पानी डाला गया। करीब तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान चलाया गया। अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया, 'सोन भवन कैंपस में ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, आग से ट्रांसफॉर्मर को काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने के बाद कैंपस में कुछ देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हो गए थे। कुछ लोगों ने अपने स्तर से भी पानी डालकर आग बुझाने में मदद करने की कोशिश की।

लालबाग के राजा की तरह पटना में विराजे गणपति

♦ हीरा-पन्ना और माणिक जड़ित 55 लाख का मुकुट पहनाया गया, मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर बना पंडाल

एजेंसी, पटना

पटना में आज धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है। महाराष्ट्र मंडल की ओर से इस बार भी भव्य आयोजन किया गया है। इस बार मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार किया गया है। यहां मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा की प्रतिमा स्थापित होगी, जो साढ़े 5 फीट ऊंची है। इसे मुंबई से मंगाया गया है। वहीं, भगवान गणेश को 55 लाख रुपए के हीरा, पन्ना और माणिक जड़ित सोने का मुकुट पहनाया गया। राज्यपाल सैयद अता हसनैन भी पूजा में शामिल हुए। वो पंडाल में सिर पर पगड़ी पहनकर पहुंचे। सीएम सम्राट चौधरी भी गणपति की पूजा में शामिल होंगे।

10 दिनों तक मनाया जाएगा गणेशोत्सवः आचार्य राकेश झा ने बताया कि चौथ आज सुबह 7:28 बजे के बाद चतुर्थी तिथि शुरू होने से कई श्रद्धालु गणेश चतुर्थी भी मनाएंगे। वहीं, उदयातिथि को मानने वाले कुछ लोग 15 सितंबर को गणेश पूजा करेंगे। गणेश उत्सव का पर्व भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक यानि पूरे 10 दिनों तक हर्षो-उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

मिट्टी से निर्मित की गई प्रतिमा

सबसे शुभः ज्योतिषी झा के मुताबिक मिट्टी से निर्मित प्रतिमा सबसे शुभ और उत्तम होती है। इस प्रतिमा में सभी पंच तत्वों का समावेश होता है, जिसे शास्त्रों में पूजा हेतु सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। ऐसे मिट्टी युक्त प्रतिमा में पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश इन पांचो तत्वों का सार मिला होता है। इसी से हमारा शरीर भी बना है। मिट्टी की प्रतिमाएं पानी में आसानी से घुल जाती है। इससे पर्यावरण को भी लाभ मिलता है।

कारीगरों ने 1 महीने में बनाया पंडालः महाराष्ट्र मंडल के सचिव संजय भोंसले ने बताया कि मुंबई से 12 कारीगर मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार करने आए थे। पंडाल के अंदर की सजावट भी मंदिर की तरह की गई है। वहीं, गणेश प्रतिमा को साढ़ू मिट्टी से बनाया गया है।

भगवान गणेश को 501 मोदक का लगा भोगः उन्होंने बताया कि गणपति स्थापना के लिए महाराष्ट्र के सांगली से प्रशांत जागीरदार के नेतृत्व में पांच पंडित पटना पहुंचेंगे। इन्हीं के द्वारा विधि-विधान से 14 सितंबर को गणपति की प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। पहले दिन भगवान को 501 मोदक का भोग लगाया जाएगा।

कोलकाता की लाइटिंग और नासिक का झांझ पथक रहेगा आकर्षणः इस गणेशोत्सव में कोलकाता के चंदन नगर की लाइटिंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। वहीं, बंगाल के फूलों से सजावट की गई है। 20 सितंबर को सुबह 11 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन जुलूस निकलेगा।

जुलूस में नासिक से आने वाली 60 सदस्यीय झांझ पथक टीम शामिल होगी। इसमें 20 लड़कियां और 40 लड़के होंगे, जो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ करतब प्रस्तुत करेंगे। इससे विसर्जन जुलूस में उत्साह और आकर्षण बढ़ेगा।

उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, पटना

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय (AKU) में जांच समिति के गठन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। आज विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों ने जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार के उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव पवन कुमार सिन्हा के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक विशेष सचिव माफी नहीं मांगेंगे तब तक हम लोग अनशन पर बैठे रहेंगे। धरनार्थियों की मांग है कि कथित अमर्यादित व्यवहार और धमकी के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने राज्यपाल सचिवालय को भेजा था पत्रः बीते दिनों विश्वविद्यालय प्रशासन ने समिति के गठन की प्रक्रिया, अधिकार क्षेत्र और जांच की निर्धारित अवधि पर सवाल उठाते हुए राज्यपाल सचिवालय को पत्र भेजा है। वहीं, कुलसचिव डॉ. नीरंजन प्रसाद यादव ने जांच समिति के समन्वयक और उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव पवन कुमार सिन्हा पर कथित अमर्यादित व्यवहार, आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। कुलसचिव की ओर से भेजे गए पत्र में दावा किया गया है कि जांच के दौरान पवन कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक और संस्थागत मर्यादा के विपरीत व्यवहार किया। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुलसचिव को "हाथ तुड़वाने की धमकी" जैसी कथित धमकीपूर्ण भाषा का सामना करना पड़ा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे गंभीर मामला बताते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से भी शिकायतः मामले को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को भी शिकायत भेजी है। इसमें जांच समिति के गठन की प्रक्रिया, कथित अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने, जांच के दौरान अधिकारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार और धमकीपूर्ण भाषा के इस्तेमाल का उल्लेख किया गया है। कुलपति ने राज्य सरकार से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, विश्वविद्यालय प्रशासन और कर्मचारियों की सुरक्षा और आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया है। शिकायत में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के निलंबन सहित कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग भी की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच समिति के गठन की वैधता पर भी सवाल उठाए हैं। कुलसचिव का कहना है कि कुलाधिपति या राज्यपाल की अनुमति के बिना विश्वविद्यालय के विरुद्ध जांच समिति गठित करना अधिकार क्षेत्र का विषय है। विश्वविद्यालय ने समिति के गठन को इसी आधार पर चुनौती दी है। पत्र के अनुसार, राज्यपाल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव स्तर से 27 जुलाई 2026 को जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया गया था। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव पवन कुमार सिन्हा को समिति का समन्वयक बनाया गया था। गृह विभाग, अभियोजन निदेशालय और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समिति का सदस्य बनाया गया था।

एकेयू में कर्मचारियों का प्रदर्शन, कुलसचिव ने लगाए धमकाने के आरोप, बोले- माफी मांगने तक करेंगे अनशन

जांच आगे बढ़ाए जाने पर प्रशासन ने आपत्ति जताईः विश्वविद्यालय का कहना है कि आदेश में जांच पूरी करने के लिए 15 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद जांच की अवधि बढ़ाने से संबंधित कोई विधिवत आदेश या पत्र विश्वविद्यालय को नहीं मिला। इसके बावजूद समिति की ओर से जांच आगे बढ़ाए जाने पर प्रशासन ने आपत्ति जताई है।

समिति ने मांगे 1,344 पृष्ठों के दस्तावेजः कुलसचिव के पत्र के अनुसार, 12 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे जांच समिति के सदस्य विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे। समिति ने विश्वविद्यालय प्रशासन से बड़ी संख्या में फाइलें और दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा। विश्वविद्यालय का दावा है कि करीब 1,344 पृष्ठों के दस्तावेज समिति को उपलब्ध कराए गए। प्रशासन के अनुसार, दस्तावेज सौंपने के बाद भी समिति की ओर से अतिरिक्त फाइलों और अभिलेखों की मांग की जाती रही।

ट्रेन में यात्री का बैग चुराकर भागा बदमाश गिरफ्तार

हाथीदह जंक्शन पर पुलिस ने दबोचा, 72 हजार कैश और 3 मोबाइल बरामद

एजेंसी, पटना

मोकामा की हाथीदह रेल पुलिस को RPF किऊल के सहयोग से एक बड़ी सफलता मिली है। कोलकाता गाजीपुर साप्ताहिक ट्रेन से यात्रा कर रहे पटना के फुलवारी थानाक्षेत्र के रहने वाले राजेश कुमार का किऊल से उसी ट्रेन में सवार एक बदमाश ने क्रॉस बॉडी बैग चुरा लिया।

बदमाश बैग लेकर हाथीदह जंक्शन में ट्रेन से नीचे उतर गया। इसी दौरान किऊल से इसी ट्रेन में पीछा कर रहे RPF इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार ने उसे हाथीदह में उतरते ही दबोच लिया। इसके बाद उसे हाथीदह रेल पुलिस को सौंप दिया गया।

लखीसराय का रहने वाला है आरोपीः रेल थाना अध्यक्ष मुनेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित के क्रॉस बॉडी बैग से 72 हजार नकद, तीन मोबाइल और अन्य कागजात बरामद हुए हैं। पीड़ित राजेश कुमार को इसकी जानकारी दे दी गई है।

बदमाश की पहचान लखीसराय जिले के बड़हिया निवासी मुकेश सिंह के बेटे मनीष कुमार उर्फ अमित कुमार के तौर पर हुई है। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

आरोपी कहा- केवल पर्स लेकर उतरा थाः आरोपी मनीष कुमार ने बताया कि वह क्यूल से ट्रेन के S3 बोगी में चढा था। उसी दौरान एक महिला और एक पुरुष साथ यात्रा कर रहे थे, जिनका पर्स गिरा हुआ था। पर्स लेकर नीचे उतर गया, उससे यही गलती हुई।

तभी आरपीएफ ने उसे टॉर्च मारा और उसे अपने पास बुलाया वह उनके पास चले गए, तभी उन्होंने उससे पूछताछ की और उसे पकड़ लिया। इस मामले में उसके साथ और कोई भी शामिल नही है।

पटना- सड़क हादसे में यारपुर के दो युवकों की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के बेली रोड में बीते देर रात करीब 12 बजे हुए सड़क हादसे में यारपुर निवासी दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजन उन्हें अलग-अलग अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।

तीनों घर से निकले, कुछ देर बाद मिली हादसे की सूचनाः बताया जा रहा है कि तीन युवक रात में घर से निकले थे। इसी दौरान परिजनों को बेली रोड पर सड़क हादसा होने की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। वहां युवक गंभीर हालत में मिले। एक घायल युवक को परिजन इलाज के लिए LNJP अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरे युवक को उसके परिजन आनन-फानन में PMCH लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरे मृतक की पहचान सुरेश मलिक के बेटे पवन कुमार रघुनाथपुर थाना भगवानपुर का रहने वाले के तौर पर हुई है। वर्तमान में यारपुर रोड नंबर 3 में रह रहा था। पिता ने पोस्टमार्टम नहीं कराया है। थाने में आवेदन देकर बॉडी लेकर परिजन चले गए हैं।

बेटे की मौत से मां बेसुधः मृतकों में यारपुर निवासी रुदल कुमार (20) की पहचान हुई है। रुदल के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। वह अपनी मां उर्मिला देवी के साथ परिवार का खर्च चलाता था। बेटे की मौत की खबर सुनने के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है। रुदल की मां उर्मिला देवी ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद पड़ोस का एक युवक रुदल को बुलाकर अपने साथ ले गया था। कुछ देर बाद सड़क हादसे की सूचना मिली। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो रुदल गंभीर रूप से घायल था। घटना की जानकारी मिलने के बाद शास्त्रीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने के साथ ही घटना में शामिल वाहन और अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पप्पू यादव बोले-'पहले गरीब की जिंदगी बचाओ', मूर्ति मैं लगवा दूंगा

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के बिदुपुर प्रखंड में बाढ़ से हालात लगातार खराब बने हुए हैं। सोमवार को सांसद पप्पू यादव नाव और ट्रैक्टर के जरिए विशनपुर समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और राहत व्यवस्था का जायजा लिया।

नाव से बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे सांसदः पप्पू यादव बाढ़ के पानी के बीच नाव और ट्रैक्टर से प्रभावित इलाकों में पहुंचे। विशनपुर में उन्होंने लोगों से सीधे बातचीत की। ग्रामीणों ने राहत, भोजन, पॉलीथिन, दवा और पशु चारे की कमी से जुड़ी समस्याएं सांसद के सामने रखीं।

'न खाना मिल रहा, न पॉलीथिन, न पशु चारा'ः सांसद ने सरकार और प्रशासन की राहत व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को ठीक से खाना नहीं मिल रहा है। कई जगह पॉलीथिन और जानवरों के लिए चारे की भी कमी है।

'किचन में फोटो खिंचवाने से नहीं भरता पेट'ः पप्पू यादव ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सिर्फ एक किचन में दाल-भात के साथ फोटो खिंचवाने से बाढ़ पीड़ितों का पेट नहीं भरता। उन्होंने कहा कि जमीन पर स्थिति कुछ और है, जबकि कागजों पर राहत व्यवस्था अलग दिखाई जा रही है।

दो मृतकों के परिवारों से की मुलाकातः

विशनपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से जान गंवाने वाले दूधनाथ राय के परिवार से सांसद मिले। दूधनाथ राय, जयराम राय के पुत्र और भगतान टोला के निवासी थे। इसके अलावा 18 वर्षीय पप्पू राय के परिजनों से भी मुलाकात की। पप्पू राय रामप्रवेश राय के पुत्र और पहाड़पुर निवासी थे।

दोनों परिवारों को 10-10 हजार की मददः सांसद ने दोनों मृतकों के परिवारों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। इसके अलावा बाढ़ पीड़ितों के बीच 500-500 रुपये की सहायता भी बांटी गई। सांसद के मुताबिक, कुल करीब 4.50 लाख रुपये की आर्थिक मदद लोगों के बीच दी गई।

'गरीब, दलित और यादवों को अकेला नहीं छोड़ सकते'ः पप्पू यादव ने कहा कि बाढ़ के समय गरीब, दलित और यादवों को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्राथमिकता लोगों की जान बचाना और उन्हें जरूरी राहत पहुंचाना होना चाहिए।

❑ वैशाली में नाव-ट्रैक्टर से पहुंचे, कहा- 'कागजों पर राहत, जमीन पर भूखे हैं लोग'

मूर्ति की राजनीति पर भी साधा निशानाः सांसद ने मूर्ति लगाने की राजनीति को लेकर भी सत्ता और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कोई शरद यादव, कोई रामविलास पासवान और कोई रघुवंश प्रसाद सिंह की मूर्ति लगाने की बात कर रहा है।

'पहले गरीब की जिंदगी बचाओ'ः पप्पू यादव ने कहा कि पहले गरीब की जिंदगी बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'अगर मूर्ति लगानी है तो मैं लगवा दूंगा, लेकिन आज जिंदा इंसानों को बचाना ज्यादा जरूरी है।' सांसद ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें एक महीने के लिए आपदा विभाग की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे किसी गरीब को भूखा नहीं रहने देंगे। पप्पू यादव ने कहा कि अगर वे हर बाढ़ पीड़ित परिवार तक 25 हजार रुपये की मदद नहीं पहुंचा पाए तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने सरकार से तत्काल राहत सामग्री और आर्थिक सहायता पहुंचाने की मांग की। सांसद ने सरकार से बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल खाना, दवा, पॉलीथिन, पशु चारा और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह राजनीति नहीं, बल्कि इंसानियत की लड़ाई है और बाढ़ पीड़ित जनता अकेली नहीं है।

मेट्रो निर्माण से स्मार्ट सिटी की कई सुविधाएं होंगी शिफ्ट

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन तिराहे के पास लगी वीडियो मैसेज डिस्प्ले स्क्रीन को मेट्रो निर्माण के कारण हटाया जाएगा। यह स्क्रीन स्मार्ट सिटी की ओर से यातायात और जन-जागरूकता से जुड़े संदेश प्रदर्शित करने के लिए लगाई गई थी। इसी तरह इनकम टैक्स गोलंबर पर यातायात निगरानी के लिए लगाए गए स्मार्ट कैमरों को भी निर्माण क्षेत्र से हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। दरअसल, पटना मेट्रो के निर्माण कार्य के कारण पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की कई महत्वपूर्ण सुविधाओं को अस्थायी रूप से शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए पटना मेट्रो की ओर से स्मार्ट सिटी प्रशासन से पटना जंक्शन, पटना जू और इनकम टैक्स गोलंबर पर अनुमति ले ली गई है। निर्माण कार्य के दौरान यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी कुछ व्यवस्थाओं में बदलाव किया जाएगा।

♦ इनकम टैक्स गोलंबर के स्मार्ट कैमरे हटेंगे, पेलिकन सिग्नल सिस्टम बंद

पटना जू के पास पेलिकन सिग्नल सिस्टम बंदः नेहरू पथ स्थित पटना जू के गेट नंबर एक के पास पैदल यात्रियों को सड़क पार कराने के लिए लगाया गया पेलिकन सिग्नल बटन सिस्टम फिलहाल बंद कर दिया गया है। मेट्रो निर्माण कार्य के कारण इस सिस्टम को वहां से हटाया जाएगा। निर्माण पूरा होने के बाद इसे दोबारा शुरू किए जाने की योजना है। पेलिकन सिग्नल सिस्टम के माध्यम से पैदल यात्री बटन दबाकर वाहनों को रोकने और सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने की सुविधा का उपयोग करते थे। इसके बंद होने से इस मार्ग पर पैदल यात्रियों को सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। इसी स्थान पर नगर निगम की ओर से बनाया गया चकाचक शौचालय भी मेट्रो निर्माण के कारण तोड़ दिया गया है। इससे जू आने वाले लोगों और आसपास के राहगीरों को सार्वजनिक शौचालय की सुविधा फिलहाल उपलब्ध नहीं होगी।

मेट्रो निर्माण के लिए बदली जा रही व्यवस्थाएंः पटना मेट्रो परियोजना के तहत भूमिगत और एलिवेटेड दोनों हिस्सों में निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान कई स्थानों पर सड़क, फुटपाथ, यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक उपयोग की सुविधाओं को अस्थायी रूप से हटाना या शिफ्ट करना पड़ रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण क्षेत्र को सुरक्षित बनाना और काम में बाधा कम करना है। वहीं, पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत शहर में स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन, निगरानी कैमरे, डिजिटल डिस्प्ले, पैदल यात्री सुविधाएं और सार्वजनिक उपयोग की व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। मेट्रो निर्माण के कारण इन सुविधाओं को हटाने के बाद जरूरत के अनुसार वैकल्पिक स्थानों पर लगाया जाएगा। स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, स्मार्ट कैमरा आधारित निगरानी, डिजिटल सूचना प्रदर्शन और पैदल यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। मेट्रो निर्माण पूरा होने के बाद इन व्यवस्थाओं को फिर से व्यवस्थित किए जाने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में टेंपो से 224 लीटर देसी शराब बरामद, कारोबारी गिरफ्तार

रानीछपरा में गुप्त सूचना पर पुलिस की कार्रवाई, चालक सह कारोबारी दबोचा गया

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के रानीछपरा में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टेंपो पर लदी 224 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से टेंपो चालक सह शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गायघाट उज्जैन लोहियार निवासी रंजीत सहनी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि टेंपो से भारी मात्रा में देसी चुलाई शराब ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने रानीछपरा में घेराबंदी कर संदिग्ध टेंपो को पकड़ा। तलाशी के दौरान टेंपो से 224 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुई। मौके से चालक रंजीत सहनी को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद शराब को जब्त कर गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। शराब के धंधे से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अग्रेतर कार्रवाई जारी है।

रामगढ़वा में दर्दनाक हादसा: दादी-पोते की एक साथ उठी अर्थी

सेमर चौक के पास अज्ञात वाहन ने रौंदा, पांच वर्षीय मासूम समेत दादी की मौत से गांव में मातम

बीएनएम@ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के सिसवनिया गांव में रविवार देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे से पूरा गांव सदमे में है। सेमर चौक के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दादी और पांच वर्षीय पोते की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार को दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ दादी-पोते की अर्थी उठी तो गांव का माहौल चीख-पुकार और मातम में बदल गया। मृतकों की पहचान सिसवनिया गांव निवासी लालझरी देवी (पति किसनाथ राम) और उनके पांच वर्षीय पोते अमित कुमार उर्फ बग्गी कुमार (पिता सोनू कुमार राम) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रविवार शाम दोनों सेमर चौक के समीप सड़क किनारे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दोनों को रौंद दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल दादी-पोते ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सोमवार को दोनों की अंतिम यात्रा निकली तो हर आंख नम हो गई। दादी-पोते की एक साथ उठी अर्थी देख ग्रामीणों का कलेजा कांप उठा। ग्रामीणों के अनुसार, सिसवनिया गांव में एक ही परिवार से एक साथ दो अर्थियां उठने की ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई। इधर, हादसे के बाद मृतक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन से तत्काल उचित मुआवजा और सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

रामगढ़वा में बीपीआरओ ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

पंचायत सेवा संघ की मांगों के समर्थन में सांकेतिक आंदोलन, कामकाज रहा जारी

बीएनएम@ रामगढ़वा। बिहार पंचायत सेवा संघ के आह्वान पर प्रदेशभर में चल रहे सांकेतिक विरोध के तहत रामगढ़वा के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी (बीपीआरओ) इंद्रजीत दास ने सोमवार को बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। विरोध के बावजूद उन्होंने जनहित से जुड़े सरकारी कार्यों को प्रभावित नहीं होने दिया। बीपीआरओ इंद्रजीत दास काली पट्टी बांधकर ही कार्यालय पहुंचे और नियमित रूप से सरकारी कार्यों का निष्पादन करते रहे। संघ की ओर से बीपीआरओ के पद को राजपत्रित घोषित करने, वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियां प्रदान करने, पंचायत समिति के कार्यपालक पदाधिकारी का दायित्व पुनः देने तथा वेतन विसंगतियों को दूर करने समेत विभिन्न मांगें उठाई जा रही हैं। संघ का कहना है कि बीपीआरओ को पर्याप्त प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकार नहीं मिलने से पंचायत स्तर पर कार्यों के निष्पादन में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मांगों को लेकर राज्यभर में सांकेतिक विरोध किया जा रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार की ओर से मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के जवाब, लेकिन सवाल खड़ा का खड़ा

एमजीसीयू में वित्तीय अनियमितताओं के सवालों पर घिरा प्रशासन, विश्वविद्यालय ने दी सफाई

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी में वित्तीय प्रबंधन और खरीद प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

मरम्मत एवं रखरखाव कार्यों में करीब 86.42 लाख के खर्च, 3.31 लाख के कथित अधिक भुगतान, टेंडर प्रक्रिया, कार्यादेश, भुगतान से जुड़े दस्तावेजों और सेमिनार-रिफ्रेशमेंट पर हुए खर्च को लेकर सामने आई ऑडिट टिप्पणियों ने वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं।

हालांकि विश्वविद्यालय ने इन आपत्तियों को अंतिम ऑडिट निष्कर्ष मानने से इनकार करते हुए विस्तृत जवाब दिए जाने की बात कही है।

रिपोर्ट में बताया गया था कि मरम्मत एवं रखरखाव से जुड़े कार्यों में 86.42 लाख के व्यय के साथ करीब 3.35 लाख के अतिरिक्त भुगतान की आपत्ति उठाई गई। इसके अलावा समान प्रकृति के कार्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर प्रतिस्पर्धी टेंडर से बचने की आशंका, तकनीकी रूप से अयोग्य घोषित किए गए कुछ निविदाकारों और एक मामले में करीब 3.31 लाख के भुगतान संबंधी अंतर पर भी सवाल उठे थे।

विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह, सेमिनार और रिफ्रेशमेंट मद में हुए खर्च को लेकर भी वित्तीय नियंत्रण की प्रभावशीलता पर प्रश्न सामने आए।

इन गंभीर सवालों के बीच विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने स्पष्ट किया कि संबंधित

दस्तावेज अंतिम ऑडिट रिपोर्ट नहीं, बल्कि ऑडिट की प्राथमिक टिप्पणियां हैं। उनके अनुसार विश्वविद्यालय अप्रैल 2026 में संबंधित अभिलेखों और दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ 256 पृष्ठों का बिंदुवार जवाब ऑडिट अधिकारियों को दे चुका है। विश्वविद्यालय का कहना है कि सीएजी की अंतिम रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है।

विश्वविद्यालय ने 3.31 लाख के कथित अधिक भुगतान को "400" के स्थान पर "4000" दर्ज होने की लिपिकीय/टंकण त्रुटि बताया है। उसका दावा है कि ठेकेदार को अतिरिक्त भुगतान नहीं हुआ और मामले में सुधार कर दिया गया है। इसी तरह वर्क ऑर्डर और कंप्लीशन सर्टिफिकेट उपलब्ध होने तथा भुगतान वाउचर के साथ संलग्न होने की बात कही गई है। रिकॉर्ड संबंधी समस्या को विश्वविद्यालय ने फाइलों के गलत अनुक्रमण का परिणाम बताया।

कार्य विभाजन पर भी विश्वविद्यालय ने कहा कि किसी काम को जानबूझकर छोटे हिस्सों में नहीं बांटा गया था और अलग-अलग परिसरों में जरूरत के अनुसार अलग समय पर कार्य सामने आए।

वहीं, 850 करोड़ की अनुमानित परिसर लागत को विश्वविद्यालय ने अंतिम स्वीकृत डीपीआर लागत मानने से इनकार किया है। उसका कहना है कि सीपीडब्ल्यूडी ने विस्तृत विचार-विमर्श के बाद 1,338.83 करोड़ का अनुमान तैयार किया, जिसमें आवश्यक आधारभूत संरचनाएं शामिल हैं।

कुल मिलाकर, विश्वविद्यालय की सफाई कई आपत्तियों के तकनीकी और प्रक्रियागत स्पष्टीकरण देती है, लेकिन 86.42 लाख के व्यय, टेंडर प्रक्रिया और वित्तीय नियंत्रण से जुड़े मूल सवालों का अंतिम मूल्यांकन अब ऑडिट की आगामी प्रक्रिया और उपलब्ध अभिलेखों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

लेकिन उठी वित्तीय आपत्तियां इतनी गंभीर जरूर हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन से पूर्ण पारदर्शिता और स्पष्ट जवाबदेही की अपेक्षा बनती है।

इधर छात्र नेता आकाश सिंह राठौर ने कहा की टाइपिंग भूल औए अन्य कई बहाने से विश्वविद्यालय इस बड़े घोटाले पर पर्दा डाल रहा है जबकि रिपोर्ट प्रारंभिक हो या अंतिम फर्क बहुत ज्यादा नहीं पड़ेगा। ऑडिट रिपोर्ट की प्रारंभिक रिपोर्ट है अंतिम रिपोर्ट होगा भले है कुछ माइनर करेक्शन हो जाये.

सीमा पर एसएसबी का शिकंजा, 2,880 किलो तरबूज के बीज की खेप पकड़ी

नेपाल से भारत लाई जा रही थी बीज की खेप, पिकअप के साथ चालक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ एसएसबी ने बड़ी कार्रवाई की है। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से भारत लाई जा रही 2,880 किलोग्राम तरबूज के बीज की खेप बरामद की है। जवानों ने बीज लदे एक अशोक लीलैंड पिकअप वाहन को जब्त करते हुए उसके चालक को भी गिरफ्तार किया है। बरामद सामान को रक्सौल ले जाया जा रहा था। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में समवाय मुख्यालय बेलदरवामठ के गश्ती दल को गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर जवान सैनिक रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सफेद रंग की एक पिकअप गाड़ी आती दिखाई दी। संदेह होने पर जवानों ने वाहन को रोककर उसकी जांच शुरू की।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम अरमान (23 वर्ष), पिता नूर खान, निवासी जमालपुर, पोस्ट रामनगर, थाना मसौली, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश बताया। वाहन में लदे सामान के बारे में पूछने पर चालक ने बताया कि इसमें तरबूज के बीज हैं। उसके अनुसार, बीज की खेप नेपाल के मटियरवा क्षेत्र से भारत लाई गई थी और इसे रक्सौल ले जाया जा रहा था। एसएसबी जवानों ने जब सामान से संबंधित वैध कागजात मांगे तो चालक कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 40-40 किलोग्राम वजन वाले 72 बैग बरामद हुए। इन सभी बैग में तरबूज के बीज थे, जिनका कुल वजन 2,880 किलोग्राम पाया गया। एसएसबी ने तरबूज के बीज की पूरी खेप के साथ पिकअप वाहन को नियमानुसार जब्त कर लिया। चालक को गिरफ्तार करने के बाद बरामद सामान, वाहन और गिरफ्तार व्यक्ति को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग, मोतिहारी को सुपुर्द किया जा रहा है। एसएसबी अधिकारियों के अनुसार, भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है। गुप्त सूचना के आधार पर भी कार्रवाई तेज की गई है।

नेपाल जा रही 46 बोरी यूरिया पकड़ी, एक गिरफ्तार

एसएसबी ने 2,070 किलो खाद के साथ बाइक व तीन साइकिलें की जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ एसएसबी ने बड़ी कार्रवाई की है। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी की टीम ने रेगनिया सीमा क्षेत्र से नेपाल ले जाई जा रही 46 बोरी यूरिया खाद (2,070 किलो) बरामद की। मौके से एक युवक को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में एक बजाज प्लेटिना बाइक और तीन साइकिलें भी जब्त की गईं। एसएसबी के अनुसार, 14 सितंबर को सीमा चौकी रेगनिया की गश्ती टीम ने कुछ लोगों को मोटरसाइकिल व सिर पर यूरिया की बोरियां लेकर नेपाल की ओर जाते देखा। जवानों को देखते ही वे खाद छोड़कर भागने लगे। पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया गया। उसकी पहचान त्रिभुवन (24), पिता अमर सिंह, निवासी रेगनिया, पोस्ट बिजबनी, थाना जितना के रूप में हुई। पूछताछ में खाद से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर एसएसबी ने पूरी खेप जब्त कर ली। पूछताछ में खाद को नेपाल में बेचने के लिए ले जाने की बात सामने आई। जब्त खाद, बाइक और साइकिलों को अग्रिम कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय, मोतिहारी को सौंपा जा रहा है। गिरफ्तार युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलकर हिंदी को सशक्त बनाने की जरूरत : प्रो. संजय श्रीवास्तव

बीएनएम@ मोतिहारी

एमजीसीयू में 'राजभाषा के रूप में हिंदी का भविष्य' विषय पर हिंदी दिवस समारोह आयोजित

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी माह के अंतर्गत 'राजभाषा के रूप में हिंदी का भविष्य' विषय पर हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर की। अतिथियों का अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता के कारण हम हिंदी की अपेक्षा अंग्रेजी को अधिक महत्व देते हैं। इस मानसिकता से बाहर निकलकर ही हिंदी को सशक्त और समृद्ध बनाया जा सकता है। राजभाषा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदी के भविष्य को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। हिंदी

निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने हिंदी के साथ देश की अन्य भाषाओं के सम्मान पर भी जोर दिया। विशिष्ट अतिथि विशेष कार्याधिकारी (प्रशासन) प्रो. अतुल कुमार शरण ने हिंदी के तकनीकी, वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्ष पर विचार रखे। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभागों के नाम अंग्रेजी के साथ हिंदी में लिखने और हस्ताक्षर समेत दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग की अपील की। गांधी भवन परिसर के निदेशक सह मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने हिंदी के भविष्य को उज्ज्वल बताते हुए कहा कि हिंदी राजभाषा के साथ अघोषित रूप से भारत की राष्ट्रभाषा भी है। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी, मंत्रिमंडल सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन एवं उच्चतर शिक्षा विभाग की सचिव दीप्ति गौर मुकर्जी के संदेशों का वाचन किया। उन्होंने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोगों ने भी हिंदी को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मौके पर वित्त अधिकारी प्रो. पंकज कुमार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, प्रो. श्याम कुमार झा, प्रो. बिमलेश कुमार सिंह, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह समेत शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन शोधार्थी विकास कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्याम नंदन ने किया।

धार्मिक श्रद्धा भव्यता के साथ निकला गया भगवान गणेश जी की शोभा यात्रा

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

पकड़ीदयाल नगर पंचायत के शेखपुरवा रोड स्थित यज्ञशाला परिसर से सोमवार को विघ्नहर्ता गणपति पूजा के लिए कलश शोभायात्रा निकाली गई। इसमें 5,051 कुंवारी कन्याओं ने कलश उठाया। शोभायात्रा के दौरान कई तरह की झाकियां लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रही। नगर पंचायत क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग शोभायात्रा देखनें सड़कों पर जमा हो गए। इस दौरान श्रद्धालु लगातार 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे लगा रहे थे। इससे पूरा इलाका भक्तिमय माहौल में डूब गया। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह था। शोभायात्रा के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए प्रशासन ने सुरक्षा के खास इंतजाम किया थे। शहर के मुख्य चौक - चौराहों पर पुलिस बल तैनात और पुलिसकर्मी जूलूस के दौरान शांति बनाए रखने में लगे रहे। आचार्य शशि रंजन तिवारी ने बताया कि विघ्नहर्ता गणपति पूजा 15 सितंबर से 22 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान तरह - तरह की दुकानें, टावर झूला और कई अन्य प्रकार की दुकानें भी लगेंगी। साथ ही 15 सितंबर से 22 सितंबर तक श्रीमद् भागवत कथा का भी आयोजन किया जाएगा।

एलएनडी कॉलेज के छात्र शिवसूजन ने सीएसआईआर नेट में हासिल की सफलता

» **मेहनत और अनुशासन के दम पर छोटे शहर के छात्र ने रचा सफलता का अध्याय**

बीएनएम@ मोतिहारी

एलएनडी कॉलेज के भौतिकी विभाग के छात्र शिवसूजन कुमार ने सीएसआईआर नेट परीक्षा में सफलता हासिल कर महाविद्यालय के साथ-साथ पूरे चंपारण का मान बढ़ाया है। जिले के छौड़ादानों प्रखंड के खैरवा गांव निवासी शिवसूजन ने अपनी सफलता से साबित किया है कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, अनुशासन और उचित मार्गदर्शन के बल पर छोटे शहरों और गांवों से भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। शिवसूजन की सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि शिवसूजन की उपलब्धि अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायक है। इससे विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सीख लेनी चाहिए। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि शिवसूजन महाविद्यालय के नियमित और अनुशासित छात्र रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में भी अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। शिवसूजन की सफलता पर इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. पिनाकी लाहा, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, गणित विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन, बॉटनी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रविरंजन सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉ. ज्योत्सना कुमारी, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार, डॉ. संजीव कुमार, जूलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार समेत अन्य शिक्षकों ने बधाई दी। सभी ने शिवसूजन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिंदी दिवस पर 71वीं वाहिनी एसएसबी में विविध कार्यक्रम

राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग का लिया संकल्प, अधिकारियों व जवानों को सुनाया गया महानिदेशक का संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता, सम्मान तथा सरकारी कामकाज में इसके अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी में सोमवार को हिंदी दिवस मनाया गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय सहित सभी सीमा चौकियों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं जवानों को हिंदी के महत्व और राजभाषा के रूप में इसकी उपयोगिता से अवगत कराया गया। साथ ही महानिदेशक एसएसबी का संदेश सभी अधिकारियों एवं बलकर्मियों को पढ़कर सुनाया गया। संदेश के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा सरकारी कार्यों में इसके प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। वाहिनी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

उप कमांडेंट संतोष कुमार ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। इसकी सरलता और सहजता इसे जनसामान्य के बीच प्रभावी संवाद का माध्यम बनाती है। उन्होंने अधिकारियों एवं जवानों से प्रशासनिक कार्यों, कार्यालयीन पत्राचार तथा दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। उन्होंने हिंदी की समृद्ध शब्दावली और अभिव्यक्ति क्षमता का उपयोग करते हुए सरकारी कामकाज को सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में राजभाषा के प्रति दायित्वों और हिंदी के महत्व पर चर्चा की गई। अंत में अधिकारियों एवं जवानों ने प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकतम प्रयोग का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

बद्री पासवान बने जिला जेडीयू उपाध्यक्ष, नेताओं ने दी बधाई

बीएनएम@ तुरकौलिया। जेडीयू के वरीय नेता बद्री पासवान पुनः जिला जेडीयू उपाध्यक्ष बनाएं गए हैं। जिलाध्यक्ष भरत पटेल ने बद्री पासवान को पार्टी का उपाध्यक्ष मनोनीत करते हुए कहा कि प्रारंभिक काल से ही बद्री पासवान न केवल पार्टी के प्रारंभिक सदस्य रहे, बल्कि वे पार्टी को सींचने में महती भूमिका निभाई है। बधाई देने वालों में विधायक विशाल शाह,कैप्टन हमीद, मुकेश पांडे, दीपक पटेल, दिनेश चंद्र प्रसाद, रंजन भारती, ब्रजेश श्रीवास्तव,मो. हसनैन, बेबी अलम, कृष्णकांत चौधरी,अनिल गुप्ता, राकेश पटेल, राजन उर्फ मुन्ना गुप्ता, रुस्तम आलम, मनोज कनौजिया, प्रिंस कुमार, सरपंच विजय सिंह, दिनेश्वर प्रसाद, राजेश्वर सिंह, शंभू सिंह , अजय पटेल, मुखिया विनय कुमार, राकेश पटेल, कृष्णकांत चौधरी, हरेन्द्र चौधरी आदि ने बधाई दी है।

सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान को लेकर डीएम की बैठक

हर विभाग को 10-10 योजनाएं चुनने का निर्देश

बीएनएम@ शेखपुरा. सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को समाहरणालय स्थित मंथन सभागार में जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं प्रखंड स्तर के संबंधित पदाधिकारियों ने भाग लिया। डीएम ने जिला पंचायती राज, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, समाज कल्याण, भवन निर्माण, मनरेगा एवं विकसित भारत-जी राम जी योजना समेत सभी संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर कम से कम 10-10 महत्वपूर्ण योजनाओं का चयन करने का निर्देश दिया। चयनित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के साथ कार्यों की वीडियो क्लिप तैयार कराने को भी कहा गया।अभियान के तहत पहले चरण में विद्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी भवनों समेत पूर्व से मौजूद परिसंपत्तियों की मरम्मत, साफ-सफाई, रंग-रोगन, पेयजल और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त कर 30 नवंबर 2026 तक क्रियाशील करने का लक्ष्य रखा गया है। चयनित 10-10 योजनाओं की प्राथमिकता सूची का अनुमोदन 17 सितंबर को होने वाली विशेष ग्राम सभा में कराया जाएगा।

जेनरल स्टोर की छत उखाड़कर 60 हजार से अधिक की चोरी

काजू, हॉर्लिक्स, पिस्ता समेत नकदी ले गए अज्ञात चोर, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीन थाना क्षेत्र के मदुदाबाद चौक से रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क स्थित प्रमोद जायसवाल की जेनरल एवं मसाला दुकान में रविवार की रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर दुकान का एल्वेस्टर उखाड़कर अंदर दाखिल हुए और करीब 40 से 50 हजार रुपये मूल्य के काजू, हॉर्लिक्स, पिस्ता सहित लगभग 10 से 15 हजार रुपये नकद चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी सोमवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार प्रमोद जायसवाल को हुई। दुकान की छत का एल्वेस्टर उखड़ा देखकर उन्होंने अंदर जांच की तो सामान और नकदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी मोहिउद्दीननगर थाना पुलिस को दी। पीड़ित दुकानदार ने थाने में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

बाना बिगहा ने जीता वी बी प्रीमीयर लीग का फाइनल मैच

बीएनएम@ परवलपुर। बानाबिगहा प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला रविवार की शाम को बानाबिगहा और नीरपुर के बीच खेला गया. 15 ओवर के निर्धारित मुकाबले में बानाबिगहा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीरपुर को 34 रनों से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया. फाइनल मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैदान में मौजूद रहे. नीरपुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया. पहले बल्लेबाजी करने उतरी बाना बिगहा की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 216 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. टीम की ओर से सैम उर्फ छोटू ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 43 गेंदों में 106 रन की नाबाद पारी खेली. उनकी शानदार पारी में आकर्षक शॉट देखने को मिला. 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीरपुर की टीम बानाबिगहा के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 182 रन पर ऑलआउट हो गई. इस तरह बाना बिगहा ने 34 रन से फाइनल मुकाबला जीत लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में परवलपुर के मुख्य पार्षद रामवृक्ष यादव, अजय चंद्रवंशी, थानाध्यक्ष रौशन कुमार तथा सामाजिक कार्यकर्ता नवीन कुमार मौजूद रहे अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विजेता बाना बिगहा टीम को 25 हजार रुपये नकद और कप देकर सम्मानित किया गया. वहीं उपविजेता नीरपुर टीम को 11 हजार रुपये नकद और कप प्रदान किया गया।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 10 अफसरों को संयुक्त सचिव स्तर का प्रभार

बीएनएम@ पटना। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने बिहार प्रशासनिक सेवा (BAS) के अधिकारियों के प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया है। विभाग ने अस्थायी स्थानापन्न कार्यकारी व्यवस्था के तहत 10 वरीय अधिकारियों को संयुक्त सचिव एवं समकक्ष स्तर में पदोन्नत करते हुए विहित वेतनमान (वेतन स्तर-13) का कार्यकारी प्रभार सौंपा है। इस संबंध में विभाग के संयुक्त सचिव जगदीश कुमार के हस्ताक्षर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रोन्नति पाने वाले सभी 10 अधिकारी वर्तमान में अपर समाहर्ता पद पर कार्यरत हैं। सिविल लिस्ट 2026 के आधार पर वरीयता क्रमांक 11 पर स्थित राजीव शंकर (गृह जिला गयाजी), वरीयता क्रमांक 13 की सिम्मी प्रसाद (गृह जिला पटना) और वरीयता क्रमांक 86 के अनिल कुमार (गृह जिला गयाजी) को संयुक्त सचिव स्तर का कार्यकारी प्रभार दिया गया है। इन अधिकारियों की पदोन्नति से प्रशासनिक कार्यों में अधिक गतिशीलता आने की उम्मीद है। इसी क्रम में सारण जिले के निवासी राजेश कुमार (वरीयता 118), समस्तीपुर के संजीव कुमार सिंह (वरीयता 162), पटना के गौतम कुमार (वरीयता 185) और शेखपुरा की सुषमा (वरीयता 195) को भी लेवल-13 वेतनमान के साथ उत्क्रमित पद का प्रभार दिया गया है। इन सभी अधिकारियों के वर्तमान पदों को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव एवं समकक्ष स्तर में उत्क्रमित कर दिया गया है। जारी अधिसूचना में पटना के देवेन्द्र सुमन (वरीयता 202), बाँका के सुनील कुमार रंजन (वरीयता 205) और दरभंगा के रहने वाले पवन कुमार मंडल (वरीयता 259) का नाम भी शामिल है। आदेश में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि उपर्युक्त सभी अधिकारियों को पदभार ग्रहण करने की तिथि से ही संयुक्त सचिव एवं समकक्ष स्तर के पद पर अस्थायी स्थानापन्न कार्यकारी प्रभार का वित्तीय लाभ देय होगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगी 13 तरह की गतिविधियां

बीएनएम@ शेखपुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा एवं समर्पण तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जिले में 13 प्रकार की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत शिक्षा विभाग की ओर से 'सेवा चित्र' के तहत ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता कराई जाएगी। वहीं कला एवं संस्कृति विभाग, शिक्षा विभाग के जन शिक्षा निदेशालय तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहयोग से 'सेवा स्मरण' के तहत संगीत कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक आयोजित होंगे। इसके अलावा 'आशीर्वाद का दिया, आंगन का मिलन', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग', 'हैकथॉन एवं इनोवेशन चैलेंज', 'जनसेवक महाकुंभ', '25 साल, 25 कहानियां', नवाचार चुनौती और 'नेशनल अनबॉक्सिंग' जैसी गतिविधियां होंगी। अभियान का उद्देश्य सेवा, सुशासन, जनभागीदारी और नवाचार को बढ़ावा देना है।

देवापुर संगम घाट पर अनंत चतुर्दशी मेले की तैयारी पर मंथन

कांवरियों की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर अधिकारियों ने दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम@ पताही

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर देवापुर स्थित पवित्र संगम घाट पर लगने वाले मेले की तैयारियों को लेकर रविवार को प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और कांवरियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा मूलभूत सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पकड़ीदयाल एसडीओ मंगला कुमारी, अरेराज एसडीओ सुजीत कुमार, सिकरहना एसडीओ विजय कुमार, पकड़ीदयाल प्रभारी डीएसपी अभिषेक कुमार, प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार, बीडीओ उदय कुमार, सीओ नितेश कुमार सेठ और थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार समेत जनप्रतिनिधि, मेला समिति के सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों ने संभावित भीड़ को देखते हुए घाट पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, आवागमन, पेयजल, रोशनी, साफ-सफाई और चिकित्सा सुविधा समेत अन्य व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करने पर जोर दिया। कांवरियों के आवागमन को सुगम बनाने और मेला अवधि में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए संबंधित विभागों व मेला समिति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की बात कही गई। अधिकारियों ने कहा कि अनंत चतुर्दशी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। प्रशासन की प्राथमिकता सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराना है। बैठक में देवापुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अलाउद्दीन शेख, लालबाबू सिंह, ओमप्रकाश सिंह समेत मेला समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं व सुझावों को रखा। अधिकारियों ने आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कराने का भरोसा दिया।

भेलाही में नशे की हालत में तीन युवक हिरासत में, मेडिकल जांच के बाद होगी कार्रवाई

बीएनएम@ रामगढ़वा

» गश्त के दौरान संदिग्ध अवस्था में मिले, पुलिस ने थाने लाकर शुरू की जांच

भेलाही थाना क्षेत्र में रविवार शाम गश्त के दौरान पुलिस ने नशे की हालत में घूम रहे तीन युवकों को हिरासत में लिया। पुलिस तीनों की मेडिकल जांच कराने के साथ मामले की छानबीन में जुटी है। थानाध्यक्ष गौरव कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस टीम को तीन युवक संदिग्ध अवस्था में मिले। पूछताछ के बाद उनकी पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के कौवाधनगर निवासी संदीप यादव (18), रामगढ़वा थाना क्षेत्र के मंगलपुर पटनी निवासी सोना लाल कुमार (18) और भेलाही थाना क्षेत्र के मुशहरवा निवासी 17 वर्षीय किशोर के रूप में हुई। थानाध्यक्ष के अनुसार, तीनों को थाना लाकर पूछताछ की गई। प्रथम दृष्टया तीनों के नशे की हालत में होने की बात सामने आई है। इसकी पुष्टि के लिए मेडिकल जांच कराई जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि युवकों ने किस प्रकार का नशीला पदार्थ सेवन किया था और उन्हें यह पदार्थ कहां से मिला।

तुरकौलिया में शराब तस्करी व मारपीट के मामलों में सात गिरफ्तार

बाइक पर 92 लीटर देसी शराब बरामद, मंदिर के पीछे से 52 पीस विदेशी शराब जब्त

बीएनएम@ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शराब तस्करी, शराब पीने और मारपीट के मामलों में एक शराब तस्कर समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक बाइक पर लदी 92 लीटर अवैध देसी शराब बरामद की है। वहीं, माधोपुर गोपाल चौक स्थित मंदिर के पीछे से 180 एमएल की 52 पीस ऑफिसर च्वाइस विदेशी शराब भी जब्त की गई। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि बंजरिया थाना क्षेत्र के चैलाह पड़रिया निवासी धर्मेंद्र कुमार को बाइक के साथ पकड़ा गया। बाइक पर 92 लीटर देसी शराब लदी थी। वहीं, शंकर सरैया कासवा टोला निवासी प्रभु महतो, रामाधार महतो, छोटेलाल महतो और राकेश कुमार को मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इनके विरुद्ध मारपीट की प्राथमिकी दर्ज थी। पुलिस ने शराब पीने के मामले में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के भादा निवासी रूपेश सिंह और चिलराव निवासी शैलेंद्र राय को भी गिरफ्तार किया। इसके अलावा माधोपुर गोपाल चौक स्थित मंदिर के पीछे छापेमारी में 52 पीस ऑफिसर च्वाइस 180 एमएल की विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार इस मामले में चौक निवासी दो सगे भाई अरुण पासवान और अर्जुन कुमार मौके से फरार हो गए। दोनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

चंदेश्वर प्रसाद वर्मा की साहित्यिक चेतना को नई पीढ़ी तक पहुंचाना चुनौती : बिमल सर्राफ

हिंदी दिवस पर रक्सौल की साहित्यिक विरासत को फिर जीवंत करने की उठी आवाज

बीएनएम@ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा पर बसे रक्सौल की पहचान केवल व्यापारिक शहर के रूप में नहीं, बल्कि साहित्य, संस्कृति और पत्रकारिता के प्रमुख केंद्र के रूप में भी रही है। हालांकि पिछले तीन-चार दशकों में शहर की साहित्यिक गतिविधियां काफी कम हुई हैं। हिंदी दिवस पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल सर्राफ ने रक्सौल की साहित्यिक विरासत को पुनर्जीवित करने की अपील की। बिमल सर्राफ ने कहा कि चंदेश्वर प्रसाद वर्मा से शुरू हुई साहित्यिक चेतना को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आज चुनौती है। पांच जनवरी 1939 को जन्मे वर्मा ने वर्ष 1959 में हिंदी साहित्य परिषद की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 29 जून 1962 को साहित्यकार डॉ. श्यामनंदन किशोर ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। परिषद के माध्यम से साहित्यिक गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों और वैचारिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। जनवरी 1972 में वर्मा के संपादन में शुद्ध साहित्यिक त्रैमासिक 'अनल-कण' का प्रकाशन शुरू हुआ। सीमित संसाधनों के बावजूद पत्रिका ने स्थानीय रचनाकारों के साथ देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों को मंच दिया। एक दौर में रक्सौल से कई साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होती थीं। राहुल सांकृत्यायन, जानकीवल्लभ शास्त्री, काका हाथरसी, अज्ञेय, विद्यानिवास मिश्र सहित अनेक साहित्यकारों का यहां आगमन भी हुआ। साहित्यप्रेमियों ने चंदेश्वर प्रसाद वर्मा की स्मृति में पुस्तकालय, साहित्यिक केंद्र या सांस्कृतिक संस्थान स्थापित करने तथा पुरानी पत्र-पत्रिकाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी साहित्यिक जड़ों से जोड़कर ही रक्सौल की गौरवशाली परंपरा को फिर जीवंत किया जा सकता है।

पताही में हिंदी दिवस पर दिखा भाषा प्रेम, सोशल मीडिया पर छाया मातृभाषा का गौरव

कार्यक्रमों में हिंदी के महत्व पर चर्चा, फेसबुक-व्हाट्सऐप पर शुभकामना संदेशों की रही धूम

बीएनएम@ पताही

राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को पताही प्रखंड क्षेत्र में हिंदी के प्रति लोगों का उत्साह देखने को मिला। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी हिंदी दिवस की शुभकामनाओं और संदेशों से गुलजार रहा। लोगों ने हिंदी के महत्व, गौरव और समृद्ध विरासत को लेकर अपने विचार साझा किए। हिंदी दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं और युवाओं ने हिंदी से जुड़े संदेश, कविताएं और विचार सोशल मीडिया पर साझा कर मातृभाषा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। फेसबुक, व्हाट्सऐप समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिनभर हिंदी दिवस से संबंधित पोस्ट और शुभकामना संदेश नजर आते रहे। इस अवसर पर जिहुली पंचायत के समाजसेवी सह शिवहर सदर अस्पताल में कार्यरत डॉ. गजेंद्र कुमार ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और भावनाओं की पहचान है। हिंदी ने देश के अलग-अलग हिस्सों के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आधुनिक और डिजिटल दौर में हिंदी का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी को केवल हिंदी दिवस तक सीमित नहीं रखना चाहिए। दैनिक जीवन, शिक्षा, सामाजिक व्यवहार और डिजिटल माध्यमों में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग को बढ़ावा देना जरूरी है। अपनी भाषा के प्रति सम्मान अपनी जड़ों और संस्कृति के प्रति सम्मान है। हिंदी को समृद्ध और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी सरकार या शिक्षण संस्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी इसमें भूमिका है। उन्होंने युवाओं से तकनीक के दौर में हिंदी के प्रति रुचि बनाए रखने और डिजिटल माध्यमों के जरिए हिंदी को नए आयाम तक पहुंचाने की अपील की। पताही क्षेत्र में हिंदी दिवस पर दिखा उत्साह और सोशल मीडिया पर लोगों की सक्रियता इस बात का संकेत रही कि हिंदी आज भी जनमानस के बीच मजबूती से अपनी जगह बनाए हुए है।

हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित हरदेव प्रसाद इन्टरमीडिएट कांलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने हिंदी दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित विद्वानों के द्वारा आयोजित गोष्टी को संबोधित किया। कहा कि दुनिया में आज जहां हमारी हिंदी है, वहां उसके खड़े होने की जमीन तैयार करने में इन गोष्ठियों का बहुत महत्व है। पूर्व प्राचार्य ने कहा कि विश्व विख्यात हो रही मातृभाषा,भारतीय वाङ्मय, सांस्कृतिक समरसता तथा दार्शनिक चेतना की अखंड संवाहिका के रूप में हिंदी प्रतिष्ठित है। प्रतिवर्ष 14 सितंबर का यह पावन प्रसंग इस समृद्ध भाषा के ऐतिहासिक अवदान, भाषिक सामर्थ्य तथा उसकी असीम संभावनाओं के गंभीर अनुशीलन का उद्घोष करता है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी जनजागरण, वैदिक चिंतन और वैचारिक क्रांति के प्रसार हेतु इसी भाषा को माध्यम स्वीकार किया। संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को इसे संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया। वर्तमान कालखंड में हिंदी ज्ञान-मीमांसा, वैज्ञानिक विमर्श, उच्च शोध तथा वैश्विक क्षितिज पर अपनी उपादेयता सिद्ध कर रही है। भाषा का वास्तविक अभ्युदय तभी संभव है जब इसे विधि, प्रशासन और उच्चतर शिक्षा का प्राथमिक माध्यम बनाया जाए। इस अवसर शैलेंद्र दत्त शुक्ला, जितेंद्र मणि त्रिपाठी, डॉक्टर देवेंद्र मणि त्रिपाठी, डॉक्टर अजय पांडेय ,पंडित महेश्वर उपाध्याय ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया।

घुटनेभर पानी पार कर स्कूल पहुंच रहे बच्चे

» ग्रामीणों का फूटा गुस्सा; 17 स्कूल बंद

बीएनएम@ शेखपुरा

घाटकुसुम्भा प्रखंड में बाढ़ ने बच्चों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बेलौनी समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों में मासूम छात्र-छात्राएं घुटनेभर पानी पार कर स्कूल पहुंचने को मजबूर दिखे। वायरल तस्वीर सामने आने के बाद मीडिया टीम जब बेलौनी स्थित विद्यालय के समीप पहुंची तो बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्कूली बच्चे जुट गए। बच्चों ने बताया कि स्कूल जाने के दौरान पानी में डूबे रास्ते से गुजरने में डर लगता है। सड़क के नीचे से मिट्टी बह जाने के कारण कई जगह गड्ढे बन गए हैं। पानी में सांप-बिच्छू का खतरा भी बना रहता है, बावजूद इसके उन्हें स्कूल जाना पड़ता था। कई बच्चे बैग को कंधे पर उठाकर तो कुछ किताब-कॉपी को पानी से बचाते हुए रास्ता पार करते नजर आए। ग्रामीणों और बच्चों में प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी भी दिखी। लोगों ने जिला प्रशासन, सांसद विधायक और मुख्यमंत्री तक के लिए मुर्दाबाद के नारे भी लगाए. ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय नेता इलाके में पहुंचते हैं, लेकिन बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों की सुध लेने कोई नहीं आता। ग्रामीणों ने पूरे घाटकुसुम्भा प्रखंड को बाढ़ग्रस्त घोषित करने की मांग की है। कांग्रेस नेता सह जिला बीस सूत्री सदस्य पप्पू राज मंडल ने इस मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन भी सौंपा है। इधर, बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने मामले पर संज्ञान लिया है। डीएम के निर्देश पर घाटकुसुम्भा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित 17 स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। अब सवाल है कि हर साल बाढ़ की मार झेलने वाले घाटकुसुम्भा में स्थायी समाधान कब होगा?

आरा के जमीरा अंडरपास में जलजमाव से भड़का जनआक्रोश

» सांसद और विधायक का फूंका पुतला
» 20 गांवों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित

बीएनएम@ आरा

जमीरा अंडरपास में लंबे समय से जारी जलजमाव और रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण न होने से नाराज ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए स्थानीय सांसद सुदामा प्रसाद और आरा सदर विधायक संजय सिंह टाइगर का पुतला फूंका। इस दौरान ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की वादाखिलाफी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान विरोध का एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब एक स्थानीय युवक ने रोने-धोने का नाटक करते हुए भोजपुरी में जनप्रतिनिधियों पर तीखा व्यंग्य कसा। युवक कभी सांसद-विधायक को 'बड़का भैया' और 'मझिला भैया' कहकर संबोधित करता, तो कभी चुनाव जीतने के बाद जनता के बीच से गायब रहने पर तंज कसता दिखा। इस नाटकीय विरोध को देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों ने भी जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी तेज कर दी। ग्रामीणों का आरोप है कि जमीरा अंडरपास में स्थायी रूप से पानी भरे रहने की वजह से आसपास के लगभग 20 गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट जाता है और दैनिक आवागमन में भारी फजीहत झेलनी पड़ती है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, जनता ने समस्याओं के समाधान की उम्मीद में जनप्रतिनिधियों को चुनकर भेजा था, लेकिन जीतने के बाद नेता क्षेत्र से गायब हैं और लोग उनसे मिलने तक को तरस रहे हैं। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि पुतला दहन तो महज एक शुरुआत है और मांगें पूरी न होने पर आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा।

बांग्लादेश की सामरिक दिशा के ठोस संकेत

पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुड़ने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला बांग्लादेश की नई सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए। बांग्लादेश ने पुष्टि कर दी है कि वह चीन में बने 4.5वीं पीढ़ी के जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने जा रहा है। इसके अलावा वह चीनी लड़ाकू हेलीकॉप्टर, वीआईपी ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर, और ड्रोन्स की खरीदारी भी करेगा। इसका अर्थ है कि अब बांग्लादेश चीन अस्त्र प्रणाली का हिस्सा बनने जा रहा है। इस फैसले का औचित्य बताते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार जियाउर रहमान ने जो कहा, उस पर भारत को अवश्य ध्यान देना चाहिए। रहमान ने कहा कि पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान की लड़ाई के दौरान खबर मिली कि पाकिस्तान ने जे-10सीई के जरिए भारत के राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया। उसे ध्यान में रखते हुए ही बांग्लादेश ने उन विमानों को खरीदने का फैसला किया है। कुछ ही रोज पहले बांग्लादेश ने मक्का सुरक्षा समझौते में शामिल होने की इच्छा जताई। हालांकि इस समझौते में शामिल देशों से बांग्लादेश को कोई न्योता नहीं मिला है, मगर संसद में विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा कि अगर आमंत्रण मिलता है, तो उस पर बांग्लादेश सकारात्मक नजरिए से विचार करेगा। मक्का समझौता पाकिस्तान, सऊदी अरब, और तुर्किये के बीच हुआ है। ईरान युद्ध से पश्चिम एशिया में बदली सामरिक स्थितियों के बीच उस क्षेत्र में नई उभरती सुरक्षा व्यवस्था में पाकिस्तान की भूमिका ठोस ढंग से बढ़ रही है। बीते हफ्ते कुवैत ने भी अपनी सेना को प्रशिक्षित करने, खुफिया जानकारी साझा करने, तथा रक्षा तकनीक और सीमा प्रबंधन में सहयोग के लिए पाकिस्तान से नया सैन्य समझौता किया। पाकिस्तान से अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं को जोड़ने के खाड़ी देशों की ताजा सोच के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। एक तो पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, और दूसरा उसकी तीन चौथाई हथियार प्रणालियां का चीनी सिस्टम से जुड़ी हुई हैं। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश के पाकिस्तान से आम संबंध गहरे हुए हैं। इसी बीच पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुड़ने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला उसकी सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए।

क्या ब्रिक्स बनेगा नई विश्व व्यवस्था का इंजन?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत के क्रिटिकल मिनरल्स दांव से हिल गए ट्रंप? -अमेरिका,चीन और पश्चिम की बढ़ी चिंता ! -क्या क्रिटिकल मिनरल्स बदलेंगे दुनियाँ की चाल?

ब्रिक्स 2026 का मूल मंत्र बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स, इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेंएंबिलिटी तथा ह्यूमनिटी फर्स्ट, भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर

ब्रिक्स 2026 क़ी अध्यक्षता भारत के लिए केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं बल्कि 21वीं सदी की नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत के बढ़ते कद की निर्णायक घोषणा बन सकती है

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ इस समय जिस दौर से गुजर रही है,उसमें युद्ध, व्यापारिक टकराव,ऊर्जा संकट, आपूर्ति-श्रृंखला की अस्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक खींचतान ने वैश्विक व्यवस्था को अभूतपूर्व अनिश्चितता के दौर में पहुंचा दिया है। ऐसे समय में 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली मेंहो रहे 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि यह इस बात की परीक्षा भी है कि उभरती अर्थव्यवस्थाएं बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी सामूहिक शक्ति को कितना प्रभावी बना सकती हैं। भारत 2026 में चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसकी अध्यक्षता का मूल मंत्र बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स, इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेंएंबिलिटी तथा ह्यूमनिटी फर्स्ट है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा क़ि,सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिक्स अब केवल ब्राजील,रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का पुराना समूह नहीं रह गया है। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया के पूर्ण सदस्य बनने के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है। ब्रिक्स देशों में दुनियाँ की करीब आधी आबादी रहती है और क्रय-शक्ति समानता के आधार पर वैश्विक जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। यही वजह है कि नई दिल्ली में होने वाला सम्मेलन पश्चिमी देशों सहित पूरी दुनियाँ की निगाहों के केंद्र में है। साथियों,भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स का एजेंडा केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखा गया है। व्यापार,निवेश,ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक एमएसएमई स्टार्टअप,वैश्विक मूल्य-श्रृंखलाओं,पर्यावरण आपदा-रोधी क्षमता और भुगतान प्रणालियों जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर पूरे वर्ष बैठकें हुई हैं। जयपुर में ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030 की दिशा में प्रगति,व्यापार वित्त की कमी दूर करने के लिए जयपुर सहमति और अधिक मजबूत तथा विविध वैश्विक मूल्य- श्रृंखलाओं पर जोर दिया गया। इसी तरह गुरुग्राम में ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में ऊर्जा सुरक्षा और स्मार्ट ग्रिड तथा ऊर्जा भंडारण के लिए ब्रिक्स डिजिटल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की सटीकता से शुरुआत हुई। साथियों,इसी व्यापक आर्थिक रणनीति के बीचक्रिटिकल मिनरल्स भारत की अध्यक्षता का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक पहलू बनकर उभर रहे हैं।लिथियम, निकेल कोबाल्ट ग्रेफाइट, कॉपर, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और प्लेटिनम ग्रुप की धातुएं आज केवल खनिज नहीं रह गई हैं; ये इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, रक्षा प्रणालियों एयरोस्पेस, दूरसंचार और आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत बन चुकी हैं। इसलिए जिस देश या समूह के पास इन खनिजों के भंडार, खनन, प्रोसेसिंग और तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की औद्योगिक शक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।यही कारण है कि ब्रिक्स में क्रिटिकल मिनरल्स का महत्व तेजी से बढ़ा है। 2024 के कज़ान शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के विशाल खनिज भंडार को देखते हुए भूवैज्ञानिक सहयोग और ब्रिक्स जियोलॉजिकल प्लेटफार्म को व्यावहारिक सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था।इसका उद्देश्य भूवैज्ञानिक जानकारी,संसाधन आकलन, खनन तकनीक और खनिज संसाधनों के तर्कसंगत विकास में सहयोग बढ़ाना है।ब्रिक्स के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार समूह के पास दुनिया के रेयर-अर्थ मिनरल रिजर्व का लगभग 72 प्रतिशत हिस्सा है।

साथियों,यहां भारत की रणनीति बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत के पास रेयर अर्थ और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं, ब्राजील के पास रेयर अर्थ के साथ लिथियम और कॉपर की क्षमता है, रूस के पास निकेल, कॉपर और अन्य रणनीतिक खनिज हैं, दक्षिण अफ्रीका और रूस प्लेटिनम ग्रुप मेटल्स में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं, जबकि इंडोनेशिया निकेल की वैश्विक आपूर्ति में बेहद बड़ा खिलाड़ी है।यानी ब्रिक्स देशों की ताकतें एक-दूसरे की कमियों को पूरा कर सकती हैं।समस्या यह है कि जिन देशों के पास संसाधन हैं,उनके पास हमेशा प्रोसेसिंग और डाउनस्ट्रीम तकनीक नहीं है; वहीं जिन देशों के पास बड़ा बाजार, पूंजी और औद्योगिक क्षमता है, उनके पास पर्याप्त घरेलू भंडार नहीं हैं।यदि यह बिखरी हुई क्षमता एक साझा मूल्य- श्रृंखला में बदलती है, तो ब्रिक्स क्रिटिकल मिनरल्स में एक अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन सकता है।यहीं से उस सवाल का जवाब भी मिलता है कि भारत क्यों इस मुद्दे को इतना महत्व दे रहा है। भारत का उद्देश्य केवल खनिज खरीदना नहीं, बल्कि खनन से लेकर प्रोसेसिंग,रिफाइनिंग, तकनीक और अंतिम उत्पाद तक पूरी वैल्यू चेन में अपनी स्थिति मजबूत करना है। यह रणनीति चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने और भविष्य की तकनीकी तथा ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत बनाने से जुड़ी है। भारत पहले ही ब्रिक्स के भीतर अधिक लचीली और विविध वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं की सटीकता से वकालत कर चुका है।

साथियों इसका असर वैश्विक राजनीति पर भी पड़ सकता है। यदि किसी एक देश के पास किसी महत्वपूर्ण खनिज की खनन और प्रोसेसिंग क्षमता अत्यधिक केंद्रित हो और वह आपूर्ति को राजनीतिक दबाव के लिए इस्तेमाल करे, तो पूरी दुनिया की औद्योगिक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। भारत इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण खनिजों को राजनीतिक हथियार बनाए जाने के खिलाफ आपूर्ति-श्रृंखलाओं को सुरक्षित, विविध और विश्वसनीय बनाने की दिशा में सहयोग की वकालत कर रहा है।इसलिए क्रिटिकलमिनरल्स का मुद्दा अब केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता का प्रश्न बन चुका है। साथियों, इस पूरी कहानी में चीन सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। चीन ब्रिक्स का सबसे बड़ा आर्थिक और औद्योगिक खिलाड़ी है और रेयर अर्थ की वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दूसरी तरफ भारत और चीन के बीच सीमा विवाद तथा 2020 के गलवान संघर्ष के बाद पैदा हुआ विश्वास का संकट अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। ऐसे में शी जिनपिंग का 12-13 सितंबर को भारत दौरा ऐतिहासिक महत्व रखता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से पुष्टि की थीं कि शी जिनपिंग भारतीय पीएम के निमंत्रण पर 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने नई दिल्ली आएंगे।यह सात वर्षों में उनका पहला भारत दौरा होगा। 11 सितंबर को चीन के विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा था कि मोदी और शी के बीच द्विपक्षीय बैठक कीव्यवस्था की जा रही है। दोनों पक्ष संबंधों को दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने, संवाद और सहयोग बढ़ाने तथा मतभेदों को उचित ढंग से संभालने की बात कर रहे हैं।इस बैठक में सीमा विवाद,एलएसी पर स्थिरता, व्यापार घाटा,बाजार पहुंच, निवेश,वीजा और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हो सकते हैं। दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की हालिया बातचीत में नए सैन्य हॉटलाइन और सीमा प्रबंधन से जुड़े तंत्र पर प्रगति भी हुई है। साथियों,हालांकि यहां भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती संतुलन की है।चीन के साथ संबंध सुधारना भारत की जरूरत है, लेकिन अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और सुरक्षा हितों से समझौता करना नहीं। इसी तरह रूस के साथ भारत के संबंध, अमेरिका और पश्चिम के साथ रणनीतिक साझेदारी, क्वाड में भूमिका तथा ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय भागीदारी ये सभी भारत की उस बहु- सरेखीय विदेश नीति का हिस्सा हैं जिसमें नई दिल्ली किसी एक शक्ति-गुट का हिस्सा बनने के बजाय अलग- अलग मंचों पर अपने राष्ट्रीय हितों को साधने की कोशिश करती है।इसलिए ब्रिक्स सम्मेलन में क्रिटिकल मिनरल्स के साथ-साथ डिजिटल भुगतान और आर्थिक संपर्क भी महत्वपूर्ण होंगे।भारत ब्रिक्स देशों के डिजिटल भुगतान प्रणालियों और सीबीडीसी को जोड़ने की दिशा में भी पहल कर रहा है,जिसका लक्ष्य सीमा-पार लेनदेन को आसान बनाना है; इसे डॉलर को तत्काल हटाने की योजना के रूप में नहीं बल्कि भुगतान प्रणालियों को अधिक सक्षम और विविध बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। साथियों लेकिन ब्रिक्स के सामने चुनौती भी कम नहीं है। ईरान और यूएई के बीच मौजूदा तनाव,पश्चिम एशिया का युद्ध,ऊर्जा आपूर्ति और होर्मुज संकट तथा रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दे सदस्य देशों के बीच एक जैसी सोच नहीं बनने देते। ब्रिक्स में सर्वसम्मति आवश्यक है और मई में विदेश मंत्रियों की बैठक भी ईरान- यूएई मतभेदों के कारण संयुक्त बयान जारी नहीं कर सकी थी। इसलिए नई दिल्ली सम्मेलन का असली परीक्षण यही होगा कि क्या इतने विविध हितों वाले देश साझा घोषणापत्र और व्यावहारिक एजेंडे पर सहमत हो पाते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि सवाल यह नहीं है कि ब्रिक्स अमेरिका या पश्चिम को चुनौती देने वाला कोई नया सैन्य गठबंधन बन जाएगा।

-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

डिजिटल युग और एआई में हिंदी: चुनौती या नया अवसर

डॉ. आरती पाठक

21वीं सदी सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सदी है। एक दौर था जब तकनीक और इंटरनेट की दुनिया में अंग्रेजी का एकछत्र राज माना जाता था और यह आशंका जताई जाती थी कि डिजिटल क्रांति भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी को हाशिए पर धकेल देगी। परंतु आज परिदृश्य इसके ठीक उलट है। डिजिटल युग और एआई के इस दौर में हिंदी न केवल अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करा रही है, बल्कि विकास के नए आयाम भी तलाश रही है। ऐसे में यह सवाल बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि क्या यह दौर हिंदी के अस्तित्व के सामने कोई संकट खड़ा कर रहा है या फिर यह उसकी प्रगति का एक ऐतिहासिक अवसर है?

निःसंदेह, तकनीक के शुरुआती दौर में हिंदी के सामने चुनौतियाँ कम नहीं थीं। इंटरनेट की बुनियाद और कोडिंग मुख्य रूप से रोमन लिपि पर केंद्रित थी। देवनागरी लिपि के लिए मानक फॉन्ट और सहज कीबोर्ड का न होना एक बड़ी तकनीकी बाधा थी। इसके अलावा, एआई आधारित मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल डेटासेट की आवश्यकता होती है। इंटरनेट पर मानक और शुद्ध हिंदी सामग्री की सीमित उपलब्धता के कारण शुरुआती वॉयस असिस्टेंट और अनुवाद टूल्स कई बार भाषा के व्याकरण और संदर्भ को सही ढंग से नहीं पकड़ पाते थे।

हालाँकि, जैसे-जैसे तकनीक का प्रसार भारत के छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों तक हुआ, डिजिटल परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। टेक कंपनियों को यह समझने में देर नहीं लगी कि भारत का असली और विशाल बाज़ार गैर-अंग्रेजी भाषी आबादी में बसता है। आज गूगल, यूट्यूब और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर सबसे अधिक खोज और

कंटेंट की खपत हिंदी में हो रही है। एआई और वॉयस टेक्नोलॉजी ने तो साक्षरता और भाषा के बीच की दूरी को ही मिटा दिया है। 'गूगल असिस्टेंट' या 'एलेक्सा' जैसे टूल्स की मदद से जो लोग लिखना या टाइप करना नहीं जानते, वे भी केवल अपनी आवाज़ के बल पर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इसने हिंदी भाषी आम जनमानस के लिए सूचना और ज्ञान का अधिकार वास्तव में सुलभ बना दिया है।

इसी प्रकार, एआई आधारित न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन ने दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान, चिकित्सा, विधि और प्रशासनिक साहित्य को हिंदी में अनूदित करने की प्रक्रिया को गति दी है। आज डिजिटल युग ने हिंदी कंटेंट क्रिएटर्स, पत्रकारों, ब्लॉगर्स और पॉडकास्टर्स के लिए संभावनाओं के असीम द्वार खोल दिए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और मीडिया हाउसों में हिंदी की बढ़ती माँग ने युवाओं के लिए रोज़गार के नए और आकर्षक अवसर पैदा किए हैं।

तथापि, इस उजले पक्ष के साथ एक सावधान करने वाला पहलू भी है। एआई और मशीन जनित सामग्री के अति-प्रयोग से भाषा की शुद्धता, उसकी मौलिक आत्मा और व्याकरणिक सौंदर्य के क्षरण की संभावना बनी रहती है। 'हिंग्लिश' का बढ़ता प्रभाव और मशीनी अनुवाद का अंधाधुंध उपयोग भाषा के लालित्य को चोट पहुँचा सकता है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी के विद्वान, भाषाविद और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर काम करें। हमें एआई मॉडलों को समृद्ध, प्रामाणिक और उच्च स्तरीय हिंदी डेटासेट से प्रशिक्षित करना होगा।

निष्कर्षतः, एआई और डिजिटल क्रांति हिंदी के लिए कोई खतरा नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम अवसर है। तकनीक ने हिंदी को महज़ साहित्यिक गोष्ठियों और आधिकारिक औपचारिकताओं से निकालकर वैश्विक डिजिटल पटल पर स्थापित कर दिया है। यदि हम भाषा की मौलिकता की रक्षा करते हुए इस तकनीक को पूरी क्षमता से अपनाएँ, तो आने वाले समय में हिंदी विश्व की सबसे सशक्त और ज्ञान-समृद्ध डिजिटल भाषाओं में अग्रगण्य होगी ।

लेखिका कालिंदी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने me वाला है। आज आप कारोबार में नयापन लाने का प्रयास करेंगे, जिसमें आपको बहुत लाभ होगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बन रही है, जिससे आपकी आय में इज़ाफ़ा होगा। आज आप ज़मीन-जायदाद से जुड़े काम को पूरा कर लेंगे। आज आप दोस्तों के साथ शाम को अच्छे से एंजॉय करेंगे, आपको ख़ुशी मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको रोजग़ार के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे, जो आपके तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगे। आज ऑफिस में आपको प्रमोशन मिलने की ख़ुशी में घर पर पार्टी होगी। आज आप अधिक सोचने से बचें और अपने काम पर ध्यान दें। इस राशि के सिविल इंजीनियर आज किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करेंगे, जिसका काम जल्द ही कम्पलीट हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप पारिवारिक ज़रूरतों को पूरा करने में सफल रहेंगे, सभी आपकी तारीफ़ करेंगे और दांपत्य जीवन में सुख-सौहार्द की बढ़ोतरी होगी। आज आपके काम की तारीफ होगी और आपको किसी बड़ी कंपनी से ऑफर मिल सकता है। आज आप बच्चों के भविष्य से जुड़े कुछ अहम फैसले लेंगे, जिससे उनका जीवन सहज और सुरक्षित हो सके।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजऩेस के मामले में किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं, जिससे आपको फ़ायदा मिलेगा। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अधिक लाभ मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज सामाजिक क्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी कोर्स को करने के लिए किसी शिक्षक की सलाह ले सकते हैं, जिससे आपका कन्फ़्यूजऩ दूर होगा। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा और आपको कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मज़बूती आएगी, आज आप मनचाही वस्तु ले सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप ज़रूरी कार्यों को पहले निपटाने की कोशिश करें, सतर्कता से हर कार्य करना आज जरूरी है। आपको दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज कार्यक्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाक़ात हो सकती है और उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। दांपत्य जीवन का रिश्ता पहले से मजबूत बनेगा। आज आप जीवनसाथी से मन की बात शेयर कर सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पारिवारिक सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी, परिवार का माहौल ख़ुशनुमा बना रहेगा। आज आप किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनाएंगे, लेकिन अपनी ज़रूरत का सामान रखना न भूलें। आज आपके निर्णय में परिवार का भरपूर सपोर्ट मिलेगा तथा स्वास्थ्य के नजरिये से दिन ऊर्जा से भरा रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे और आपके मनोबल में वृद्धि होगी। हालांकि सतर्कता आज कार्य क्षेत्र में आपको बरतनी होगी। आपकी मेहनत सफलता दिलाएगी तथा व्यापार की शिथिलता से आपको राहत मिलेगी। आज आपकी सेल्स में बढ़ोतरी होगी और नए क्लाइंट से जुडऩे का मौका मिलेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप अपनी योजनाओं को सफल बनाने का प्रयास करेंगे, जिसमें सहकर्मी आपका पूरा साथ देंगे। आज आप जीवनसाथी के साथ बच्चों के भविष्य को लेकर कुछ बात कर सकते हैं। आज आपको घर के बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपके अधिकतर काम बनेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आज आप अपने ऑफिस को दूसरी जगह शिफ्ट करने का मन बना सकते हैं, लेकिन उससे पहले आप जगह का परीक्षण कर लें। आज बेटी का किसी मनचाहे फील्ड में सिलेक्शन होने के योग बन रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन में ख़ुशियों का आगमन होगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजग़ार में बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, जिनके माध्यम से आप तरक्की करेंगे। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है, लेकिन आप इसे बखूबी निभाएंगे। आज बड़ों की बात ध्यान से सुनें और उस पर अमल करने का प्रयास करें।

मीन राशिः आज ऑफिस में कर्मचारी मन लगाकर काम करेंगे, लेकिन बॉस होने के नाते आपको सबके प्रति स्नेहपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। आज आप समझदारी से बातों को समझेंगे और उसी अनुरूप अपने काम को आगे बढ़ाएंगे। आज आपके लिए आय के नए मार्ग प्रशस्त होंगे और कुछ जानकार व्यक्तियों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी।

हिमवंत कवि चन्द्रकुँवर बर्त्वाल

हेमंत चौकियाल

विश्व साहित्य के इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो कई कवि ऐसे हैं जिन्होंने बहुत कम उम्र में अपने रचित साहित्य से ऊँचा मकाम बनाया है। बहुत कवियों ने मार्मिक प्रेमगीत लिखे हैं, विरह गीत लिखे हैं, लेकिन मृत्यु का स्वागत जिस उल्लास से चन्द्रकुँवर बर्त्वाल ने किया है, वह उनके साहित्य के बाहर दुर्लभ है। वे विश्व के अकेले कवि हैं जिन्होंने मृत्यु को जी भरकर जिया है—भले ही इस यात्रा में कई बार विषाद के क्षण भी आये, कई बार घनघोर नैराश्य ने उन्हें घेरा, लेकिन इन तमाम मनोभावों के बीच उन्होंने मृत्यु का स्वागत जिस ढंग से किया, वह उनके साहित्य के विशाल फलक की एक बानगी है। चन्द्रकुँवर बर्त्वाल का हिन्दी साहित्य जगत में पदार्पण तब हुआ जब छायावाद युग अपने चरमोत्कर्ष पर था और जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा तथा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' अपने आप को हिन्दी साहित्य जगत में स्थापित कर चुके थे। ऐसे समय में चन्द्रकुँवर बर्त्वाल रुद्रप्रयाग और पौड़ी की कंदराओं में प्रकृति वर्णन के छंदों के साथ देश की स्वतंत्रता के गीत मुखरित स्वरों में गा रहे थे। हिन्दी के वरिष्ठ समालोचकों और साहित्यकारों ने उन्हें 'हिन्दी का कालिदास' कहा है। उनका जन्म 20 अगस्त 1919 को रुद्रप्रयाग जनपद के पट्टी तल्ला नागपुर के मालकोटी गाँव में हुआ था। उनकी माता श्रीमती जानकी देवी और पिता ठाकुर भूपाल सिंह बर्त्वाल थे। उनके भाई जयकृत सिंह तथा तीन बहिनें—कुँवरी, आनन्दी व सत्यवती थीं। उनके पिता उडामांडा के नजदीक एंग्लो इण्डियन वर्नाक्यूलर मिडिल स्कूल नागनाथ के प्रधानाध्यापक थे। उनकी शिक्षा-दीक्षा तीन वर्ष की अवस्था में घर पर ही अक्षरारंभ के साथ शुरू हुई। कक्षा 1 से 3 तक की पढ़ाई घर (नागनाथ) में तथा कक्षा 4 व 5 की प्राथमिक शिक्षा उडामांडा में हुई। 11 वर्ष की अवस्था में उन्होंने कक्षा 7 उत्तीर्ण की। सन् 1932 में उन्हें मिशन स्कूल चोपड़ा में भर्ती किया गया, जहाँ से 1935 में उन्होंने हाई स्कूल पास किया। 7 जुलाई 1935 को डी.ए.वी. कॉलेज में प्रवेश लेकर 17 वर्ष की उम्र में 1937 में उन्होंने इण्टरमीडिएट पास किया। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सन् 1939 में बी.ए. किया और 1941 में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास (एम.ए.) में प्रवेश लिया। उनकी पहली कविता 'पुरातन' थी, जो 13 वर्ष की उम्र में लिखी गई 12 पंक्तियों की रचना थी। उनकी प्रथम प्रकाशित कविताएँ पौड़ी से 'क्षत्रियवीर' (1934-35) के अंकों में छपीं। 31 मार्च 1941 को लैन्सडाउन से प्रकाशित 'कर्मभूमि' के अंक में निराला से परिचय के बाद 'घराट' और 'स्मरण' कविताएँ प्रकाशित हुईं। इन्हीं कविताओं में उनका नाम कुँवर सिंह बर्त्वाल के बजाय 'चन्द्रकुँवर बर्त्वाल' छपा। 17 दिसम्बर 1932 को पौड़ी में उनका परिचय अपने अभिन्न मित्र शम्भु प्रसाद बहुगुणा से हुआ। पौड़ी प्रवास के दौरान उन्होंने 'ओ प्रभात', 'देवी-दानवी', 'पौड़ी की रामलीला' जैसी कविताएँ और 'छाया-समुद्र गुप्त विजय' आदि गद्य रचनाएँ लिखीं। इस दौरान उनकी रचनाएँ 'क्षत्रिय वीर' और 'नवप्रभात' में प्रकाशित हुईं। उनकी रचना 'चूहा बिल्ली' 7 अगस्त 1939 को 'कर्मभूमि' में छपी तथा बाद में 'विशाल भारत' ने भी इसे छापा। मिडिल के इम्तिहान के दौरान श्रीनगर में कांसखेत मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक जयानंद थपलियाल के सुपुत्र बुद्धि बल्लभ थपलियाल से उनका परिचय हुआ। 16 वर्ष की उम्र में 20 जुलाई 1935 को उन्होंने 'काफल पाक्कू', 'मेघ', 'देहरादून', 'पृथ्वीरुदन', 'मेघलोचन' आदि रचनाएँ रचीं। 1935 तक उनकी 25 से अधिक कविताएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी थीं। 1938-1939 के आखिर में उनमें तपेदिक (टी.बी.) के प्रारंभिक लक्षणों का पता चला। इलाहाबाद और फिर लखनऊ में उनका इलाज हुआ। इसी समय पैतृक गाँव मालकोटी वापस जाने के बजाय वे अपने पिता द्वारा खरीदे गए पवांलिया के घर में रहने चले गए, जहाँ उनकी साहित्य साधना चलती रही। इसी कालखण्ड में उन्होंने प्रेम पर आधारित कविताएँ लिखीं। लखनऊ के साकेत निवास में उन्होंने 'गीत माधवी', 'वीणा नन्दिनी', 'पावस गीत', 'यम यशोगान', 'हिमालय' और 'लखनऊ' कविताओं की रचना की। लखनऊ में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' से परिचय के दौरान निराला जी ने ही उनका नामकरण कुँवर सिंह बर्त्वाल से 'चन्द्रकुँवर बर्त्वाल' किया था। उनके लखनऊ प्रवास की रचनाओं में 'हिमालय', 'गीत-माधवी', 'रोहिणी', 'बीजाणंद', 'पावस गीत', ऋतुओं संबंधी रचनाएँ, 'यम यशोगान', व्यंग्य कविताएँ, अनेक कहानियाँ, निबंध तथा विभिन्न प्रबुद्ध जनों को लिखे गए (स्मृति) पत्र शामिल हैं, जो लखनऊ और पवांलिया की ही उपज हैं। दिसंबर 1941 के अंत में चन्द्रकुँवर पुनः अस्वस्थ रहने लगे। उनके चाचा नरेंद्र सिंह उन दिनों ऊखीमठ में पटवारी थे, इसलिए वे ऊखीमठ चिकित्सालय में स्वास्थ्य लाभ लेते रहे। बाद में लखनऊ के डॉ. हरगोविंद चिकित्सालय और भंवाली टी.बी. सेंटर में उनका इलाज हुआ। भंवाली सेनेटोरियम से छुट्टी मिलने के बाद वे हरिद्वार आए, जहाँ उन्होंने कई व्यंग्य कविताएँ, प्रेम गीत व मृत्यु संबंधी कविताओं की रचना की। 1942 में वे गाँव वापस आ गए। 1943 में अगस्त्यमुनि में हरिदत्त बेंजवाल जी द्वारा उन्हें स्कूल का प्रधानाचार्य बनाया गया। 1944 में एक बार फिर उन्हें चमोली अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। 1945 में अत्यधिक अस्वस्थ होने पर उन्होंने अपने सहपाठी बुद्धि बल्लभ थपलियाल को बुलाकर प्रधानाचार्य का पद सौंपा और स्वयं पंवालिया (भीरी) चले गए। 1945-46 में कवि को दो बार ऊखीमठ चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जिसके बाद वे लौटकर स्थाई रूप से पंवालिया ही आ गए। 1945 में उनके मित्र शम्भु प्रसाद बहुगुणा ने 'हिमवंत का एक कवि' नाम से उनकी पहली पुस्तक प्रकाशित की, जिसके माध्यम से कवि का परिचय हिन्दी साहित्य प्रेमियों को मिला। 1946 में 'नन्दिनी' नाम की उनकी पुस्तक का प्रकाशन भी श्री बहुगुणा ने करवाया। बीमारी के कारण अछूत जैसी स्थिति बन जाने की वजह से पत्राचार के माध्यम से ही तत्कालीन कुछ कवियों से उनका सम्पर्क बना रहा। बीमारी की चरम स्थिति में 14 सितम्बर 1947 को मात्र 28 वर्ष 24 दिन की अल्पायु में उनका देहांत हो गया। कवि की मृत्यु के बाद उनके मित्र शम्भु प्रसाद बहुगुणा उनके गाँव पहुँचे और बची-खुची पाण्डुलिपियों व पन्नों को अपने साथ लखनऊ ले गए। वहाँ 2 अक्टूबर 1950 को उन्होंने अलकनंदा मंदाकिनी प्रकाशन (2-हुसैनगंज, लखनऊ) से चन्द्रकुँवर की पुस्तक 'विराट हृदय' नाम से प्रकाशित की। इसके बाद 'पयस्वनी' (1951), 'गीतमाधवी' (1951), 'जीतू' (1952), 'प्रणयनी' (1952) सहित 1953 तक कुल 18 पुस्तकें श्री शम्भु प्रसाद बहुगुणा ने प्रकाशित करवाईं। इन पुस्तकों को पढ़ने के बाद साहित्य जगत को चन्द्रकुँवर के साहित्य की विशालता और गहराई का पता चला। अभी तक उनकी रचनाओं, व्यक्तित्व और कृतित्व पर 30 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, परंतु उन्हें वह सम्मान मिलना अभी शेष है जिसके वे हकदार थे। कवि के पारिवारिक जन स्व. डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, चन्द्रकुँवर बर्त्वाल शोध संस्थान के पूर्व अध्यक्ष कमलेश गुसाईं, वर्तमान अध्यक्ष हरीश गुसाईं, शिक्षक और साहित्यकार गिरीश बेंजवाल, शिक्षक व साहित्यकार सुधीर बर्त्वाल, 'दस्तक' के संपादक और संस्कृति प्रकाशन के प्रकाशक दीपक बेंजवाल, 'दस्तक' के ई-संपादक कालिका प्रसाद काण्डपाल, 'प्रकृति' संस्था के अध्यक्ष व शिक्षक गजेंद्र रौतेला, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी और वरिष्ठ पत्रकार अनसूया प्रसाद मलासी, 'चन्द्रदीप्ति' पत्रिका के संपादक व शिक्षक विनोद प्रकाश भट्ट, 'कलश' संस्था के संयोजक व शिक्षाविद ओमप्रकाश सेमवाल, 'चन्द्रकुँवर बर्त्वाल स्मृति मंच' के नरेंद्र सिंह कंडारी तथा 'लोक मंच भीरी' आदि प्रबुद्ध जनों द्वारा स्व. चन्द्रकुँवर बर्त्वाल की साहित्य साधना को जन-सामान्य के सामने लाने के लिए अपने-अपने तरीकों से सराहनीय प्रयास किया जा रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन का खिताब, अमेरिकी उम्मीदें फिर टूटीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

अमेरिका की अपने किसी खिलाड़ी को 2003 के बाद पहली बार यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतते देखने की उम्मीद एक बार फिर टूट गई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भारतीय समयानुसार सोमवार तड़के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबला करीब साढ़े तीन घंटे चला। 29 वर्षीय ज्वेरेव का यह करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह इस साल फ्रेंच ओपन भी जीत चुके हैं। छह साल पहले फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में ज्वेरेव दो सेट की बढ़त के बावजूद डोमिनिक थीम से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर

मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई। उन्होंने 12वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दबाव में अपना संयम बनाए रखा। ज्वेरेव ने चौथे सेट के पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बिना किसी परेशानी के अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया। अमेरिकी खिलाड़ी के लिए शुरुआत बेहद खराब रही।

शेल्टन को पहले ही सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने डबल फॉल्ट कर दिया। ज्वेरेव ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल था और उन्होंने अपनी दमदार सर्विस से शेल्टन को कोई मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में ज्वेरेव ने पहली सर्विस के बाद 80 में से 68 अंक यानी 85 प्रतिशत अंक जीते। पहले सेट के नौवें गेम में शेल्टन को एक और ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने फिर डबल फॉल्ट कर दिया, जिससे ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन किया और ज्वेरेव की सर्विस पर कोई ब्रेक प्वाइंट नहीं बनाया जा सका। हालांकि टाईब्रेक में ज्वेरेव ने 5-0 की बढ़त बनाकर सेट पर कब्जा कर लिया। उनके दमदार सर्विस के जवाब में शेल्टन का फोरहैंड रिटर्न नेट में चला गया। शेल्टन ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 12 सेट गंवाने का सिलसिला तीसरे सेट में खत्म किया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ज्वेरेव ने चौथे सेट में तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया और अंततः ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

महिला एशिया कप : नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने के विवाद पर बोले अमोल मजूमदार, बीसीसीआई के फैसले के साथ हैं

एजेंसी, दुबई

महिला एशिया कप 2026 के फाइनल के बाद ट्रॉफी वितरण को लेकर उठे विवाद पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई ने जो रुख अपनाया है, टीम उसके साथ खड़ी है।

भारत ने रविवार को श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी पाकिस्तान सरकार में

भी शामिल हैं। यह घटनाक्रम पिछले साल के पुरुष एशिया कप फाइनल की याद दिलाता है। तब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में हराने के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, "यह रुख बीसीसीआई ने अपनाया है और हम इसके साथ खड़े हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट समाप्त हो चुका है। हम चैंपियन हैं।" उन्होंने आगे कहा, "बड़े बोर्ड पर लिखा था कि भारत एशिया कप 2026 का चैंपियन है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट आधिकारिक रूप से समाप्त हो चुका है। अब हमारा ध्यान एशियाई खेलों पर है।" भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का आठवां खिताब अपने नाम किया और अब टीम का अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन करना है।

विश्व तीरंदाजी कप फाइनलः धीरज बोम्मदेवरा ने रचा इतिहास, पुरुष रिकर्व में जीता स्वर्ण

एजेंसी, साल्टिलो (मेक्सिको)

भारत के धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूती देते हुए रविवार को विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में पुरुष रिकर्व वर्ग का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। धीरज ने खिताबी मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता नाकानिशी जुन्या को शूट-ऑफ में हराया। विजयवाड़ा के 25 वर्षीय धीरज विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। निर्धारित पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर रहा, जिसके बाद शूट-ऑफ

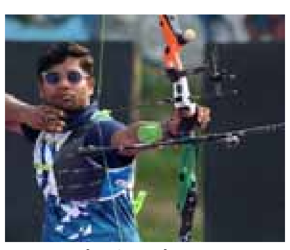

हुआ। इसमें धीरज ने 10 अंक का निशाना साधा, जबकि नाकानिशी 9 अंक ही हासिल कर सके। पहले सेट में दोनों तीरंदाजों ने 28-28 अंक हासिल किए और एक-एक अंक बांटा। नाकानिशी ने दूसरा सेट 29-28 से जीतकर 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन धीरज ने तीसरा सेट 29-28 से अपने नाम कर स्कोर बराबर कर दिया। नाकानिशी ने चौथे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो इनर-10 समेत कुल 29 अंक हासिल किए, जबकि धीरज 28 अंक ही बना सके। इससे जापानी तीरंदाज ने दबाव बढ़ा दिया।

निर्णायक पांचवें सेट में दोनों ने पहली तीर से 9-9 अंक बनाए। धीरज ने दूसरी तीर पर 10 अंक हासिल कर बढ़त बनाई, जबकि नाकानिशी ने फिर 9 अंक जुटाए। धीरज की तीसरी तीर 9 अंक की रही। ऐसे में नाकानिशी को स्वर्ण जीतने के लिए 10 अंक की जरूरत थी, लेकिन वह लगातार तीसरी बार 9 अंक ही हासिल कर सके और मुकाबला शूट-ऑफ तक पहुंच गया।

तन्वी पत्री ने जीता बैडमिंटन एशिया अंडर-17 का खिताब, शाइना मनिमुथु को हराकर बनीं चैंपियन

एजेंसी, नई दिल्ली : भारत की 15 वर्षीय तन्वी पत्री ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर-17 एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन शाइना मनिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से हराया। ओडिशा की तन्वी ने इस जीत के साथ महाद्वीपीय अंडर-17 खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था और इसी साल बेंगलुरु में ऑल इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया था। तन्वी ने 2024 में अंडर-15 एशियाई खिताब जीता था और अब उन्होंने अंडर-17 एशियाई चैंपियन बनकर अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। उनकी जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरे वर्ष अंडर-17 लड़कियों के एकल का खिताब अपने पास बरकरार रखा। पिछले साल दीक्षा सुधाकर ने यह खिताब जीता था। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए कड़े मुकाबलों से गुजरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में बाई मिलने के बाद उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली को 18-16, 12-15, 15-13 से हराया।

महिला एशिया कप फाइनलः श्री चरणी ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक साल में सर्वाधिक विकेट लेने का बनाया भारतीय रिकॉर्ड

एजेंसी, दुबई

भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर एन. श्री चरणी ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप 2026 के फाइनल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले के 14वें ओवर में श्री चरणी ने हरशिता समरविक्रमा को अपनी ही गेंद पर कैच कर पवेलियन भेजा। इस विकेट के साथ उनके इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 36 विकेट हो गए

और उन्होंने पूनम यादव का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। चरणी ने मैच में 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके नाम इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अब 39 विकेट हो गए हैं। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने श्रीलंका को हराकर महिला एशिया कप का खिताब भी जीत लिया। लेग स्पिनर पूनम यादव ने 2018 में 35 पारियों में 35 विकेट लिए थे। वहीं, 22 वर्षीय श्री चरणी ने महज 20 पारियों में 39 विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की है। श्री चरणी ने बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में पूनम यादव के 35 विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में हरशिता का विकेट लेते ही वह इस रिकॉर्ड से आगे निकल गईं। आंध्र की इस स्पिनर ने पिछले साल अप्रैल में श्रीलंका के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली थी।

बिजनेस

टॉप 10 में शामिल देश की सभी कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट

- 2.57 लाख करोड़ से अधिक की राशि हुई स्वाहा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के बाद देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सभी दस कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बाजार में दबाव की स्थिति बनने की वजह से इन सभी दस कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 2.57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हासिल किया। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज

(टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में कुल 2,57,660.65 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। शेयर बाजार में लगातार हुई बिकवाली के कारण इस सप्ताह टॉप 10 में शामिल किसी भी कंपनी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी नहीं हो सकी। पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली लिस्टेड कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 86,608 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 17,51,516.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 42,935.63 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 8,17,687.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 27,842.12 करोड़ रुपये घट कर 10,04,457.94 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,487.89 करोड़ रुपये कम होकर 11,48,127.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 21,634.02 करोड़ रुपये घट कर 9,30,446.25 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 18,924.50 करोड़ रुपये लुढ़क कर 10,83,462.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह के कारोबार में बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,210.35 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 6,56,838.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 9,540.20 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,44,842.97 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 8,120.44 करोड़ रुपये फिसल कर 5,18,713.06 करोड़ रुपये के स्तर तक और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,357.50 करोड़ रुपये लुढ़क कर 4,65,806.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अगले सप्ताह प्राइमरी मार्केट में जमकर होगी हलचल, एनएसई और हीरो मोटर्स समेत 11 नए आईपीओ की लॉन्चिंग

लिस्टिंग के साथ स्टॉक मार्केट में कारोबार शुरू करेंगी 19 कंपनियां

एजेंसी, नई दिल्ली

मंगलवार यानी 15 सितंबर से शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ के लिहाज से ब्लॉकबस्टर रहने वाला है। नए हफ्ते में एनएसई और हीरो मोटर्स के आईपीओ समेत 11 नए पब्लिक इश्यू खुलने जा रहे हैं। इनमें से 5 मेनबोर्ड सेगमेंट से हैं। जबकि शेष छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा नए सप्ताह में पहले से खुले 8 आईपीओ में भी पैसे लगाने का मौका रहेगा। नए शुरू हो रहे सप्ताह में 19 कंपनियों के शेयर अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से 11 कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं। जबकि शेष 8 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 15 सितंबर को वामा वुवेनफैब का 49.54 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 17 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने

के लिए 324 रुपये प्रति शेयर से लेकर 341 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 सितंबर को बीएसई एसएमई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 28 रुपये पर चल रहा है। इसी दिन यानी 15 सितंबर को ही एसएमई सेगमेंट का दूसरा आईपीओ क्वांतो एग्रोवर्ल्ड भी खुलेगा, जिसका कुल साइज 31.02 करोड़ रुपये है। इसमें 17 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस इश्यू का प्राइस बैंड 67 रुपये प्रति शेयर (फिक्स्ड प्राइस) और लॉट साइज 2,000 शेयरों का तय किया गया है। इसकी लिस्टिंग 22 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर संभावित है। इसका वर्तमान ग्रे मार्केट प्रीमियम 8 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

15 सितंबर को ही खुलने वाला तीसरा इश्यू शक्ति पॉलीटार्प का है, जो करीब 26.93 करोड़ रुपये जुटाने बाजार में आ रहा है। 17 सितंबर तक खुली रहने वाली इस विंडो के लिए 56 रुपये प्रति शेयर से लेकर 59 प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 2,000 शेयरों का लॉट साइज तय किया गया है। इसकी लिस्टिंग 22 सितंबर को बीएसई एसएमई पर होगी। इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 11 रुपये के स्तर पर बना हुआ है। इसके अगले दिन 16 सितंबर को मेनबोर्ड सेगमेंट में भारी हलचल होगी, जब तीन बड़े आईपीओ एक साथ दस्तक देंगे। पहला बड़ा नाम दिग्गज टू-व्हीलर कंपोनेंट निर्माता हीरो मोटर्स का है। ये कंपनी 1,000 करोड़ रुपये का बड़ा आईपीओ लेकर आ रही है। इस इश्यू में निवेशक 18 सितंबर तक दांव लगा सकेंगे। कंपनी ने इसके लिए 79 रुपये प्रति शेयर से लेकर 84 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 178 शेयरों का लॉट साइज तय किया है। इसकी लिस्टिंग 23 सितंबर को एनएसई और बीएसई दोनों पर होगी। ग्रे मार्केट में इसका जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। फिलहाल इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 24 रुपये पर पहुंच चुका है। इसी दिन यानी 16 सितंबर को ही रिटेल सेक्टर की कंपनी एसएस रिटेल का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी खुलेगा, जिसमें 18 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इसके लिए 403 रुपये प्रति शेयर से लेकर 424 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 35 शेयरों का लॉट साइज तय किया गया है। 23 सितंबर को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने वाले इस इश्यू का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल 32 रुपये के स्तर पर है।

आईफोन 17 पर मंहगाई की मार, कीमतों में भारी उछाल से पहले ग्राहकों की होड़

एजेंसी, नई दिल्ली

आगामी त्योहारी सीजन से पहले आईफोन 17 सीरीज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की आशंका के चलते ग्राहक पुराने स्टॉक खरीदने में जुट गए हैं। इस मजबूत मांग से प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि खरीदार नई बढ़ी हुई कीमतों से बचना चाहते हैं। ऐपल ने घोषणा की है कि 256जीबी वाले आईफोन 17 की कीमत 20.5 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 99,000 रुपये हो जाएगी, जबकि 512जीबी मॉडल 21.3 फीसदी बढ़कर करीब 1,24,900 रुपये का होगा। पिछले एक साल में मेमोरी लागत में तेजी

से वृद्धि के बावजूद पहले कीमतें नहीं बढ़ी थीं, लेकिन अब इसका बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है। आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स के बचे हुए स्टॉक की भी अच्छी मांग है, क्योंकि उनका उत्पादन बंद हो चुका है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, शुरुआती जानकारी दर्शाती है कि पुरानी कीमत पर बिक रहे आईफोन 17 का स्टॉक अगले एक-दो सप्ताह में खत्म होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि महंगे फोन खरीदने वाले ग्राहक कीमत वृद्धि से कम प्रभावित होते हैं, लेकिन आईफोन 17 के कई खरीदार पहली बार एंड्रॉइड से आईफोन पर स्विच कर रहे हैं, जिनके लिए बढ़ी कीमत चिंताजनक हो सकती है। हालांकि, आसान ईएमआई और आकर्षक ऑफर इस असर को कम कर सकते हैं। प्रो और प्रो मैक्स मॉडल की कुल बिक्री हिस्सेदारी 2025 में 13 फीसदी से बढ़कर इस साल 17 फीसदी होने का अनुमान है।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था। यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है। किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक ऑनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। डेक्कन गोल्ड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि को कंपनी और भारतीय माइनिंग इंडस्ट्री के लिए एक अहम मोड़ बताया। उनके अनुसार यह दर्शाता है कि भारतीय खनन कंपनियां जिम्मेदारी के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं और संसाधनों का विकास कर सकती हैं।

लगातार दूसरे सप्ताह सेलर बने रहे विदेशी निवेशक, सितंबर में इक्विटी मार्केट से हुई 13,138 करोड़ की निकासी

एजेंसी, नई दिल्ली

जुलाई और अगस्त में लगातार लिवाल (बायर) की भूमिका में बने रहने के बाद अब सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बिकवाल (सेलर) की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सितंबर के पहले दो कारोबारी सप्ताह में ही भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की निकासी कर ली गई है। माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और डॉलर के मजबूत होने से विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक दुनिया भर के ज्यादातर स्टॉक मार्केट में बिकवाली

कर अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 2026 में ज्यादातर समय तक बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे हैं। फरवरी, जुलाई और अगस्त के अलावा 2026 के शेष सभी महीनों में विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली करके घरेलू शेयर बाजार से अपना पैसा निकालते रहे हैं। खासकर, मार्च के महीने में विदेशी निवेशकों ने जोरदार बिकवाली की। इसके बाद जुलाई के पहले के लगातार तीन महीने यानी जून, मई और अप्रैल में भी एफपीआई घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए थे। हालांकि, जुलाई के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की। इस महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 20,199 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इसी तरह अगस्त के महीने में भी विदेशी निवेशकों की लिवाली का आंकड़ा बिकवाली के आंकड़े से अधिक का रहा। इस महीने के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया। साल 2026 में जुलाई और अगस्त में हुई खरीदारी के पहले सिर्फ फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक खरीदार की भूमिका में नजर आए थे।

विद्युत जामवाल की फिल्म स्ट्रीट फाइटर का ट्रेलर रिलीज

हॉलीवुड में मचाएंगे तहलका

वि विद्युत जामवाल ने बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा तक अपने दमदार अभिनय से वाहवाही लूटी है। अब वह हॉलीवुड सिनेमा के जरिए वैश्विक पहचान बनाने के लिए तैयार हैं और उनकी डेब्यू फिल्म स्ट्रीट फाइटर का ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है। पैरामाउंट पिक्चर्स इंडिया द्वारा रिलीज फिल्म का यह फाइनल ट्रेलर है, जबकि पहला ट्रेलर अप्रैल में आया था। इसका निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है, जिसमें नोआ सेंटिनियो, जेसन मोमोआ, रोमन रेंज और एंड्रयू कोजी भी हैं। स्ट्रीट फाइटर कैपकॉम के मशहूर वीडियो गेम पर आधारित है, जिसकी कहानी 1993 के दौर में सेट है। विद्युत इसमें योग गुरु धल्सिम बने हैं। कहानी 2 बिछड़े मार्शल आर्ट्स दोस्तों, रयू (एंड्रयू) और केन (नोआ) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें एक खतरनाक वर्ल्ड वॉरियर टूर्नामेंट में शामिल किया जाता है। 4यहां उन्हें दुनिया के सबसे बेहतरीन लड़ाकों से भिडना पड़ता है। ट्रेलर में दमदार एक्शन सीक्वेंस की झलक देखने को मिलती है। फिल्म 16 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होगी। फिल्म की स्टारकास्ट फिल्म का डायरेक्शन किताओ सकुराई ने किया है। इसमें नोआ सेंटिनियो (केन मास्टर्स), एंड्रयू कोजी (रयू), कैलिना लियांग (चुन-ली), जो अनोआई (अकुमा), डेविड डास्टमलचियन (एम. बाइसन), कोडी रोड्स (गाइल), एंड्रयू शुल्ज (डैन हिबिकी), एरिक आंद्रे (डॉन सॉवेज), विद्युत जामवाल (धाल्सिम), ऑरविल पेक (वेगा), ओलिवियर रिच्टर्स (जैंगिफ), हिरोकी गोटो (ई. होंडा), रैना वल्लैंडिंघम (जुली), अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की (जो), कर्टिस '50 सेंट जैक्सन (बालरॉग) और जेसन मोमोआ (ब्लांका) शामिल हैं। भारतीय सिनेमा अपने हैरतअंगेज एक्शन और मार्शल आर्ट्स के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता विद्युत जामवाल अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पैरामाउंट पिक्चर्स की बहुप्रतीक्षित हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के साथ विद्युत का ग्लोबल डेब्यू होने जा रहा है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का धमाकेदार फाइनल ट्रेलर जारी किया है, जिसने दुनियाभर के एक्शन प्रेमियों और विद्युत के फैंस के बीच भारी उत्साह पैदा कर दिया है। यह फिल्म मशहूर वीडियो गेम फ्रैंचाइजी 'स्ट्रीट फाइटर' पर आधारित है, जिसकी कहानी 1990 के दशक की पृष्ठभूमि में रची गई है। फिल्म में विद्युत जामवाल एक भारतीय योग गुरु और शक्तिशाली योद्धा 'धल्सिम' (Dhalsim) की भूमिका में नजर आएंगे। गेम की दुनिया में धल्सिम अपने अनोखे फाइटिंग स्टाइल और फ्लेक्सिबिलिटी के लिए जाने जाते हैं। विद्युत की अपनी असली मार्शल आर्ट्स (कलरीपायट्टू) की बैकग्राउंड को देखते हुए, फैंस इस किरदार में उन्हें देखने के लिए बेहद उत्सुक हैं। किताओ सकुराई के निर्देशन में बनी इस बड़े बजट की फिल्म में विद्युत के अलावा हॉलीवुड के कई दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म की मुख्य स्टारकास्ट में जेसन मोमोआ, नोआ सेंटिनियो, एंड्रयू कोजी, डेविड डास्टमलचियन और डब्ल्यूडब्ल्यूई (WWE) स्टार रोमन रेंस और कोडी रोड्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कहानी मुख्य रूप से दो मार्शल आर्ट्स दोस्तों, रयू और केन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक खतरनाक वर्ल्ड वॉरियर टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकों का सामना करते हैं। ट्रेलर में जबरदस्त स्टंट्स, विजुअल इफेक्ट्स और हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स की झलक देखने को मिली है। विद्युत जामवाल का यह हॉलीवुड कदम भारतीय सिनेमा के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह एक्शन से भरपूर फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बतौर निर्माता डोंट बी शाय को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट

टी अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म डोंट बी शाई को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।

आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, 14 साल पहले मैंने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं। क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है। एक्ट्रेस ने आगे कहाः जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आईं, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा। श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म डोंट बी शाय 20 साल की लड़की श्यामिली शाइ दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने जिंद्रगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है। इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ कुणाल रॉय कपूर और नेहा धूपिया भी नजर आएंगे। 25 सितंबर 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

नए कलाकारों संग ओटीटी पर धमाका

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार अपने अभिनय के लिए नहीं बल्कि बतौर प्रोड्यूसर एक नई शुरुआत के लिए। हाल ही में उनकी होम प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' का ट्रेलर जारी किया गया, जिसने दर्शकों के बीच खासा उत्साह पैदा कर दिया है। अपनी इस नई यात्रा को लेकर आलिया बेहद रोमांचित हैं। उनका कहना है कि नए टैलेंट को मौका देना और शुरुआत से किसी कहानी को गढ़ना एक बेहद खूबसूरत अनुभव रहा। यह फिल्म 25 सितंबर 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होने जा रही है।

अजय देवगन से भिड़ेंगे पुष्पा के विलेन फहाद फासिल, डोंट ट्रबल द ट्रबल की नई रिलीज डेट आई

पु पुष्पा और पुष्पा 2 जैसी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों के विलेन फहाद फासिल ने इन फिल्मों के जरिए देश दुनिया में पहचान बनाई थी. पुष्पा फ्रेंचाइजी में विलेनगिरी से वो हर किसी के दिल पर राज करने लगे थे. हालांकि आपको बता दें कि वो लीड एक्टर के रूप में भी काम करते हैं. अब उनकी एक अपकमिंग फिल्म की नई रिलीज डेट आई है और इसका सामना बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म दृश्यमः द कन्क्लूजन से होगा. फहाद फासिल की आने वाली फिल्म का नाम है डोंट ट्रबल द ट्रबल. मेकर्स ने पहले इस फिल्म को अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म हैवान के सामने रिलीज करने का ऐलान किया था. फिल्म के लिए पहले तय रिलीज डेट 11 सितंबर 2026 थी. हालांकि मेकर्स ने अब इसमें बदलाव कर दिया है. मेकर्स ने डोंट ट्रबल द ट्रबल की नई रिलीज डेट का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें फहाद के साथ एक छोटी बच्ची भी नजर आ रही है. दोनों सीढ़ियों पर बैठे हुए हैं. इस चाइल्ड आर्टिस्ट का नाम सारा पालेकर है जो फिल्म में दिव्या के रोल में नजर आएंगी. जबकि फहाद इसमें सूरी नाम का किरदार निभा रहे हैं. इसका पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, सूरी और दिव्या अपना जादू चलाने और गड़बड़ शुरू करने के लिए तैयार हैं! डोंट ट्रबल द ट्रबल 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में. अजय देवगन की सफल फ्रेंचाइजी दृश्यम की तीसरी फिल्म दृश्यमः द कन्क्लूजन भी सिनेमाघरों में 2 अक्टूबर को ही रिलीज होगी. अजय देवगन जैसे बड़े स्टार और सफल फ्रेंचाइजी की फिल्म होने के चलते दृश्यम 3 तगड़ी कमाई करेगी. ऐसे में फहाद की फिल्म के लिए बॉक्स ऑफिस पर टिकना मुश्किल होगा. फैंटेसी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म को दिग्गज डायरेक्टर एसएस राजामौली ने प्रजेंट किया है. वहीं इसके प्रोड्यूसर हैं राजामौली के बेटे एसएस कार्तिकेय, प्रसाद देविनैनी और शोभू यारलागड्डा. जबकि फिल्म का डायरेक्शन किया है शशांक येलेटी ने.

बॉक्स ऑफिस पर हनुमान अंश और मिर्जापुर द मूवी का राज, हैवान की हालत खराब

बॉ बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म हैवान रिलीज हो चुकी है, लेकिन इसकी कमाई उम्मीद के मुताबिक खास नहीं रही। उधर हनुमान अंश और मिर्जापुर द मूवी अब भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हैं। हैवान की रिलीज के बीच इन दोनों फिल्मों की कमाई पर भी सबकी नजरें टिकी हैं। आइए जानते हैं तीनों फिल्मों ने कितना कारोबार किया है। हैवान बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक रफ्तार नहीं पकड़ पाई है। फिल्म ने पहले दिन करीब 3 करोड़ रुपये की कमाई की थी, वहीं सैकनिल्क के मुताबिक, दूसरे दिन हैवान ने 2.11 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह फिल्म की 2 दिनों की कुल कमाई 5.11 करोड़ रुपये हो गई है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मिर्जापुर द मूवी और हनुमान अंश से कड़ी टक्कर मिल रही है। हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के 37वें दिन भी जबरदस्त कमाई करते हुए 19.66 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की भारत में कुल कमाई 194.91 करोड़ रुपये पहुंच गई है। खास बात ये है कि हैवान जैसी नई रिलीज के बावजूद हनुमान अंश की कमाई में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। फिल्म की लगातार बढ़ती कमाई ने ट्रेड पंडितों और दर्शकों, दोनों का ध्यान खींचा है। मिर्जापुर द मूवी बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के 9वें दिन 12.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल कमाई 170.51 करोड़ रुपये हो गई है। मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा अपने चर्चित किरदारों में नजर आ रहे हैं। गुड्डू भैया और मुन्ना भैया की कहानी के साथ कालीन भैया का किरदार भी फिल्म की कहानी को दिलचस्प बनाता है।

सलमान ने 'बिग बॉस' के साथ 16 साल के सफर को किया याद, जाहिर की खुशी

रि रियलिटी शो 'बिग बॉस' ने पिछले दो दशकों में अपनी अलग पहचान कायम रखी है। टेलीविजन की दुनिया में कई रियलिटी शो आए और समय के साथ दर्शकों के बीच से गायब हो गए। 'बिग बॉस' शो की लोकप्रियता में अभिनेता सलमान खान की भूमिका भी अहम रही है। वर्ष 2010 में सलमान खान ने 'बिग बॉस' के चौथे सीजन से इसकी मेजबानी शुरू की थी और अब वह शो के 20वें सीजन के साथ भी दर्शकों से जुड़े हुए हैं। 'बिग बॉस' के साथ अपने 16 साल के सफर को याद करते हुए सलमान ने 20वें सीजन को मिली रिकॉर्ड शुरुआत पर खुशी जाहिर की है। हाल ही में शुरू हुए 'बिग बॉस 20' ने जियो हॉटस्टार पर अब तक के सबसे बड़े रियलिटी शो लॉन्च का रिकॉर्ड बनाया है। शो को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद सलमान खान ने कहा कि 'बिग बॉस' का सफर उनके लिए बेहद खास रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने शो के 16 सीजन की मेजबानी की है और इसे 20वें सीजन तक पहुंचते देखना उनके लिए गर्व और खुशी की बात है। सलमान के मुताबिक, 'बिग बॉस हिंदी' के 20वें सीजन को अब तक का सबसे बड़ा रियलिटी शो लॉन्च बनते देखना पूरी टीम के लिए खास उपलब्धि है। सलमान खान ने कहा कि 'बिग बॉस' के हर सीजन में कुछ नया देखने को मिलता है, लेकिन शो की असली ताकत उसके दर्शक हैं। वर्षों से मिल रहा दर्शकों का प्यार और समर्थन ही इस सफर को लगातार मजबूत बनाता रहा है। उन्होंने कहा कि हर नए सीजन के साथ दर्शकों की उम्मीदें और उत्साह बढ़ता जाता है और यही शो को लंबे समय तक प्रासंगिक बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। 20वें सीजन को लेकर सलमान ने कहा कि इस बार घर में आए नए प्रतियोगियों के साथ नया खेल और कई अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिलेंगे। वह यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि प्रतियोगी किस तरह अपना खेल खेलते हैं और उनका सफर किस दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने शो की रिकॉर्ड शुरुआत के लिए दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि उनके प्यार के बिना 'बिग बॉस' का इतना लंबा सफर संभव नहीं हो पाता। शो की सफलता पर जियो हॉटस्टार के हिंदी और अंग्रेजी मनोरंजन कारोबार के प्रमुख आलोक जैन ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'बिग बॉस' लगातार रियलिटी मनोरंजन के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रहा है। 20वें सीजन का अब तक का सबसे बड़ा लॉन्च इस फ्रेंचाइजी और दर्शकों के बीच दो दशकों से बने मजबूत रिश्ते को दर्शाता है।

एक्सरसाइज करने के लिए करें फोम रोलर का इस्तेमाल, जानिए इससे जुड़ी अहम बातें

फो फोम रोलर एक ऐसा साधन है, जो आपकी एक्सरसाइज को और असरदार बना सकता है। यह मांसपेशियों को आराम देने, शरीर को लचीला बनाने और थकान कम करने में मदद करता है। सही तरीके से इस्तेमाल करने पर यह शरीर को चोटों से बचाने और फिटनेस को बेहतर बनाने में भी सहायक हो सकता है। आइए जानते हैं कि फोम रोलर का उपयोग कैसे किया जा सकता है और यह आपकी दिनचर्या में क्यों जरूरी है। मांसपेशियों की थकान को करता है दूर एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों में अक्सर थकान और दर्द महसूस होता है। इसका मुख्य कारण मांसपेशियों में बनने वाला एसिड होता है, जो थकावट बढ़ा सकता है। फोम रोलर का इस्तेमाल करने से मांसपेशियों पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे खून का बहाव बेहतर होता है और यह एसिड बाहर निकल जाता है। इससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और वे जल्दी ठीक हो जाती हैं। नियमित रूप से करने पर भारी एक्सरसाइज के बाद भी आप बेहतर महसूस करेंगे। फोम रोलर का उपयोग करने से शरीर का सख्तपन कम होता है और लचीलापन बढ़ता है। यह खासकर उन लोगों के लिए अच्छा है, जिनकी मांसपेशियां अकड़ जाती हैं या जो स्ट्रेचिंग में परेशानी महसूस करते हैं।

फोम रोलर मांसपेशियों को खींचने और उन्हें आराम देने में मदद करता है। यह आपके शरीर की हलचल को आसान बनाता है और एक्सरसाइज को ज्यादा प्रभावी बनाता है। इसके जरिए शरीर अच्छी तरह मुड़ता है। फोम रोलर का उपयोग करने से चोट लगने का खतरा कम हो सकता है। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और शरीर को स्थिरता देता है। अगर आप पहले से किसी चोट से परेशान हैं तो इसका इस्तेमाल करने से मांसपेशियों में आराम मिलेगा और उनकी ताकत फिर से लौटेगी। यह आपको ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी तरीके से एक्सरसाइज करने में मदद करता है। हालांकि, आपको इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। फोम रोलर न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करने में मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने से मांसपेशियां आराम करती हैं और शरीर हल्का महसूस होता है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो दिनभर के काम के बाद थकान और तनाव का अनुभव करते हैं। इसका इस्तेमाल करने से आप न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी तरोताजा महसूस करेंगे। फोम रोलर का सही तरीके से उपयोग करना बहुत जरूरी है, ताकि इसका पूरा फायदा उठाया जा सके। इसे धीरे-धीरे शरीर के उन हिस्सों पर घुमाएं, जहां दर्द या खिंचाव महसूस हो। गर्दन, पीठ, जांघों और पैरों पर इसका इस्तेमाल काफी फायदेमंद हो सकता है। ध्यान रखें कि इसे ज्यादा जोर से न दबाएं, बल्कि हल्के हाथों से इस्तेमाल करें।

इस तरह फोम रोलर का सही उपयोग आपकी एक्सरसाइज को और भी बेहतर बना सकता है।

Tata Sons heads for mandatory public listing as RBI rejects NBFC exit request

New Delhi, Agency: The Reserve Bank of India (RBI) has directed Tata Sons, the holding company of the salt-to-software conglomerate, to apply for an immediate stock market listing after rejecting its application to surrender its non-banking finance company (NBFC) licence.

In a letter dated September 11, 2026, the RBI stated that Tata Sons' request to be excluded from the unregistered core investment company (CIC) category had been denied, effectively requiring the company to go public.

Sources said the RBI specified that the group did not meet the necessary criteria, leading it to reject the March 2024 application

for deregistration. This makes a public listing of Tata Sons imminent as it qualifies as an upper layer NBFC, which must mandatorily list on the stock exchanges.

The development comes as the $170 billion Tata Sons is still facing leadership challenges and a divided board, which led Chairman N Chandrasekaran to opt out of reappointment when his term ends in February next year. It is a divided house even among the shareholders, with the Noel Tata-led Tata Trusts, a string of non-profits holding over 65 per cent of Tata Sons, being reluctant to list, while Shapoorji Pallonji Group, its largest private shareholder with around 18 per cent holding, is publicly pushing for the group to list.

According to experts, a listing will compel the group to be more transparent about all its affairs, including capital allocation, and investor pressure will lead to demands for financial returns, making long-term bets difficult.

As per news reports, the issue of listing the business was also among the reasons which led Noel Tata to vote against the reappointment of Chandrasekaran. The half-brother of Ratan Tata, who chairs Tata Trusts and is a member of the Tata Sons board, wanted a commitment from Chandrasekaran to ensure that Tata Sons is not forced to list, while the latter is learnt to have opined that the outcome of a regulatory or legal matter cannot be ascertained.

Other issues flagged by Noel Tata included the losses being incurred by group's other businesses including the Tata Digital and Air India, which were either launched or acquired during Chandrasekaran's nearly decade-long stint at the helm.

The RBI had come out with a list of 15 entities, classifying them as Upper Layer NBFCs and mandating them to list by October 2025. Earlier this year, it had expanded the list to include government-run NBFCs as well and also announced that any NBFC with over Rs 1 lakh crore of assets will automatically qualify as an upper-layer NBFC.

However, a decision on Tata Sons' plea to surrender its core investment company NBFC license was kept pending, and the RBI brass repeatedly parried a clear answer regarding the holding company's listing.

Congress only viable hope for Punjab, AAP 'fractured', says new in-charge Sachin Pilot

New Delhi, Agency: The Congress is the only viable alternative for the people of Punjab, having historically delivered for the border state through decades, party's newly appointed general secretary Sachin Pilot said on Saturday.

Speaking to The Tribune days after replacing Bhupesh Baghel in the hot seat, Pilot framed the upcoming Assembly elections as a direct contest between the ruling Aam Aadmi Party and Congress, saying a multi-cornered contest in 2027 won't impact voting patterns.

"People realise they don't have to waste their vote. They will only vote for those they trust. The Congress remains the only viable

hope for the people of Punjab. Whether it was Sardar Beant Singh with his contribution to fighting terrorism, the Green Revolution or the White Revolution, Congress governments have made a mark in the lives of the people of Punjab. It's time to bring back that narrative," said Pilot ahead of his Punjab visit in the next few days.

Pilot downplayed intense factionalism in the state unit ahead of Baghel's replacement and insisted that the Congress was united in Punjab, and that it was AAP that was fractured. "The word fracture (in the context of the Punjab Congress) is a bit of an exaggeration. Sometimes in large parties like ours, there can be differences of opinion on approach to issues. But I won't call it a faction or a fracture. We still stand united. The ones that are fractured are the Aam Aadmi Party," he said, referring to a string of resignations by AAP founders and recently the merger of seven AAP MPs (including six from Punjab) with the BJP.

Summit success gives BJP a boost in domestic politics

New Delhi, Agency : India's success against the odds in bringing Brics countries with incongruent, even conflicting, outlooks on key global issues of contention, such as the West Asia conflict, to throw their weight behind a joint declaration comes as a timely domestic boost for BJP when its rivals are sensing some vulnerability in its otherwise dominant political position.

Foreign policy has been a major component of BJP's arsenal in scoring political points over its rivals, especially Congress, as it has projected a rising global profile of an

assertive India under PM Narendra Modi's leadership, in contrast to the country's "meek" response to challenges from external security to trade in the pre-2014 period. Modi hailed the New Delhi Declaration, adopted unanimously at Brics, saying confidence of the bloc is wider in reach and stronger in purpose.

Rajnath: Modi blunted oppn's 'false narrative' with governance

New Delhi, Agency: PM Modi has blended good governance with participatory democracy to render the opposition's "false narrative" and anti-incumbency factor irrelevant, defence minister Rajnath Singh said Saturday, virtually kick-starting BJP's campaign to mark its pre-eminent leader's 25-year unbroken run as head of govt.

"Those building false narrative against Modi cannot understand what they should do. Sometimes they incite students, sometimes they try to divide society in the name of caste," he said in an apparent swipe at leader of opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi. He said that when people see their lives changed by welfare schemes for farmers, housing and

health, then no narrative works. "Kaam bolta hai (work speaks). Modi has left factors like astroturfing and anti-incumbency behind," he said at the event organised by Rambhau Mhalgi Prabodhini, a research and leadership-training institute with links to BJP.

Rajnath said Modi, since his days as Gujarat CM, pioneered a model of governance that focused on a participatory model of democracy and scaled it nationally as PM.

Three years before 9/11, CIA warned Clinton that Bin Laden wanted to strike India;

New Delhi, Agency: India was already on Osama bin Laden's list of potential targets three years before the September 11 attacks. A newly declassified CIA warning from 1998 shows that the Al Qaida founder intended to conduct attacks in the country. A CIA President's Daily Brief to Bill Clinton dated August 28, 1998, said Bin Laden had survived US missile strikes in Afghanistan and retained a network

of individuals and allied groups across at least 60 countries that could be used to mount attacks.

The assessment specifically listed India and Pakistan, along with Egypt, the Arabian Peninsula - particularly Kuwait, Saudi Arabia and Yemen - Uganda and possibly Nigeria, as countries where Bin Laden intended to conduct attacks.

Bin Laden also viewed India as part of what he described as a "Crusader-Zionist-Hindu" conspiracy against the Islamic world, reflecting the ideological lens through which he framed India and its relationship with the US and Israel.

The CIA said Bin Laden was also considering further attacks against the US and UK, although he had not indicated precise targets or timing. The assessment came weeks after the August 1998 bombings of US embassies in Kenya and Tanzania, which killed more than 200 people and brought Bin Laden's organisation firmly into the sights of US counterterrorism agencies. The newly released document said Bin Laden's infrastructure in North America, Europe and East Asia also lent credibility to reports that he could target US interests in those regions.

In denouncement of western bloc, Brics hits out at unilateral sanctions and tariff

New Delhi, Agency: Brics slammed the unilateral sanctions and tariff and non-tariff measures initiated by countries, arguing that they distorted trade and were inconsistent with global trade rules - a statement that was seen to be aimed at US, which under Donald Trump has resorted to raising import duties.

While Trump's tariff actions, including the reciprocal tariffs invoking emergency powers, which were declared illegal by the US Supreme Court, are not in line with the WTO regime, few countries have so far raised a dispute. In any case, WTO dispute settlement mechanism is defunct as US has blocked all appointments, and Brics called for its restoration. The New Delhi Declaration is among the most vocal denouncement of Trump's go-to instrument to get countries to the negotiating table. Even now, US has put in place 10-12.5% tariff on over 50 nations using section 301 powers.

Similarly, the concern over "unilateral sanctions and secondary sanctions" came amid US threat to target countries that bought oil from countries such as Russia, Iran or Venezuela, until recently. India had to deal with 50% additional American tariff, including 25% "secondary tariffs" for purchasing Russian crude. Tariffs and sanctions were two issues on which all member nations openly hit out at the western bloc. Besides, the bloc, which accounts for a quarter of global trade, also hit out at protectionism due to environmental concerns, something that the European Union has chosen to do. "The proliferation of trade-restrictive actions that are inconsistent with WTO rules, whether in the form of indiscriminate raising of tariffs and non-tariff measures, or protectionism under the guise of environmental objectives, threatens to further reduce global trade, disrupt global supply chains, and introduce uncertainty into international economic and trade activities, potentially exacerbating existing economic disparities and negatively affecting prospects for global economic development," the declaration said.

It also backed further discussions to facilitate "practical solutions" for cross-border payments among Brics countries, "which are fast, low-cost, more accessible, efficient, transparent, and safe".

Gangster's extradition from Moldova shows Mann government's resolve: Punjab minister

Chandigarh, Agency: AAP leader and Punjab minister Aman Arora on Saturday said the first-ever extradition of a gangster from Europe marks the Bhagwant Mann government's uncompromising stand against gangsterism.

His statement came as the Punjab Police secured the extradition of a key operative of the Jaggu Bhagwanpuria gang from the Republic of Moldova.

Amritpal Singh, alias Amrit Dalam, wanted in multiple cases of murder, attempt to murder, and the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA), was extradited from Moldova. While the previous Akali-BJP and Congress governments "allowed" gangsterism to flourish, the AAP government pursued such fugitives across borders and ensured they are brought back to face the law, he further said.

India to get another major DRDO missile testing range in Bengal

New Delhi, Agency: In a boost for the country's defence testing capabilities, India will get another weapon and missile testing range in Bengal's Junput coastal village in Purba Medinipur district.

In April 2024, DRDO had proposed a testing range along the Purba Medinipur coast to complement its integrated testing range in Odisha's Chandipur. However, the then TMC govt had not given land for it. During an event Friday, CM

Suvendu Adhikari revealed that DRDO had sent a letter for the project but the then TMC govt at the helm did not respond. "I have okayed it. This will be a big project for West Bengal's development," he said. A source in DRDO also confirmed to Media that the missile testing project is coming up in Bengal.

The proposed testing range in Junput will be the third major hub for DRDO after the Chandipur sites and the proposed testing centre in Andhra. India has one missile testing facility, known as the Integrated Test Range, which operates across two launch complexes in Odisha: Launch Complex-III at Chandipur-on-Sea and Launch Complex-IV, off Odisha coast.

While Launch Complex-III is used primarily for testing short-range tactical missiles, surface-to-air systems and multi-barrel rocket launchers like the Akash and Pinaka, Launch Complex-IV is designated for long-range strategic weapon trials, including Agni ballistic missile series and K-series submarine-launched missiles.

The Chandipur testing facility provides a secure coastal location with a wide, unobstructed eastward trajectory over the Bay of Bengal.

BRIFF NEWS

SIA searches Poonch Udhampur in radicalisation probe

Jammu, Agency: Five locations in Poonch and Udhampur districts were searched by Jammu & Kashmir State Investigation Agency (SIA) Saturday as part of an investigation into the alleged spread of secessionist narratives and radicalisation through online and offline channels, including social media platforms allegedly operated from across the border.

An SIA spokesperson said investigators found that some individuals were allegedly in contact with suspicious persons across the Line of Control (LoC) and the border. The raids were conducted in Mandi and Surankote areas of Poonch and Ramnagar area of Udhampur. The searches began in the morning and were underway when reports last came in. The spokesperson said more details would be shared after the searches conclude.

Brics opposes unilateral trade steps like EU carbon border tax

New Delhi, Agency: Brics nations Saturday opposed unilateral trade measures such as EU's carbon border adjustment mechanism (CBAM), saying such measures undermine efforts by developing countries aimed at addressing the adverse impacts of climate change. Though they recognised the need to reduce greenhouse gas emissions to meet climate goals, the grouping's members sought to delink any unilateral punitive action from achieving a common goal and pitched for energy security for all based on a pragmatic approach where "fossil fuel", they said, will still play an important role in the world's energy mix", particularly for emerging markets and developing economies, in addition to renewable sources and nuclear.

CBAM, which entered its operational regime on Jan 1, is a tool to put a price, through imposing a border tax, on carbon-intensive goods, like iron and steel, aluminium and cement, that are entering the 27 EU nations.

Though BRICS nations opposed the proposal from the time it was conceived, arguing that the unilateral move placed an additional burden on businesses in developing economies due to embedded emissions in their products, they made their points a part of New Delhi Declaration calling it "punitive, discriminatory and protectionist measures that are not in line with international law".

Without any attempt to dilute their respective efforts to meet climate action goals under the Paris Agreement, the nations called for greater actions based on equity and the UN's principle of common but differentiated responsibilities and respective capabilities, in light of different national circumstances.